डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20-22 E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com RNI-MPHIN/2017/71673

हिन्दी दैनिक

जनलोक मंथन संदेश

समाचार का निचोड़

वर्ष-8 | अंक - 46 भोपाल, सोमवार, 16 फरवरी, 2026 • मूल्य - 1 रुपये • पृष्ठ 8

सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में स्थापित होगा देश का सबसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय अलंकरण सम्मान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन ने सदियों से धर्म, ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति की ज्योति प्रज्ज्वलित की है। विरासत से विकास के इस प्रतीक के रूप मे ही उज्जैन में विक्रमोत्सव का सांस्कृतिक महापर्व आयोजित किया जा रहा है। यह केवल एक उत्सव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता और ऐतिहासिक स्वाभिमान का विराट पर्व है। महान सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, सुशासन और लोक कल्याण की ऐसी परंपरा स्थापित की जो आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका शासन काल विद्या, विज्ञान, ज्योतिष और साहित्य के स्वर्णिम युग के रूप में विश्व में विख्यात रहा है। विक्रम संवत और भारतीय काल गणना हमारे वैज्ञानिक सोच और सांस्कृतिक समृद्धि का गौरवशाली प्रतीक है। उज्जैन का सांस्कृतिक आध्यात्मिक और सामाजिक आयोजन - विक्रमोत्सव हमारी परंपरा को नई ऊर्जा देगा। प्रदेश भर में गांव, शहर, कस्बों तक विक्रमोत्सव का विस्तार करते हुए प्रदेश में हो रहे सभी शिवरात्रि मेलों को इस आयोजन से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिव और शक्ति के महापर्व महाशिवरात्रि की उज्जैनवासियों को बधाई दी और रविवार को उज्जैन में विक्रमोत्सव-2026 का शुभारंभ कर यह विचार व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन की कीर्ति का वैभव संपूर्ण विश्व में छाया था। सम्राट विक्रमादित्य का दरबार नवरत्नों से संपन्न था। उन्होंने शकों को परास्त किया और तुर्कमेनिस्तान से आगे यूरोप तक सनातन संस्कृति का विस्तार किया। साथ ही विक्रम संवत के माध्यम से सुशासन की नई मिसाल स्थापित की। सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा का वर्णन चीनी यात्रा व्हेन सांग और अरबी इतिहासकार अलबरूनी के उल्लेखों में मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने और उनके शौर्य, न्याय तथा प्रजावत्सल आदर्शों को अमर बनाने के लिए उनकी स्मृति में एक करोड़ एक लाख रुपए का सम्राट विक्रमादित्य अंतर्राष्टीय अलंकरण सम्मान स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह देश का सबसे प्रतिष्ठित अलंकरण भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 21 लाख रुपए का राष्ट्रीय सम्मान और 5-5 लाख रुपए की तीन राज्य स्तरीय सम्मान भी स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रमोत्सव की ख्याति तेजी से बढ़ रही है। प्रसन्नता का विषय है कि वर्ष-2024 के विक्रमोत्सव को एशिया का बिगेस्ट रिलीजियस फेस्टीवल का अवार्ड मिला। विक्रमोत्सव-2025 को ईमैक्सम ग्लोबल अवार्ड द्वारा 'लांगस्टैडिंग आईपी ऑफ द इयर' से सम्मानित किया गया। इस वर्ष और आने वाले समय में भी विक्रमोत्सव अपनी उत्सवधर्मी सांस्कृतिक पहचान को दुनिया में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन पृथ्वी का नाभि स्थल कहा जाता है। सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं की अस्था इसे सनातन के विश्वास का केंद्र भी बनाती है। इसी दिव्य परम्परा को अधिक भव्य व्यवस्थित और श्रद्धालु केंद्रित बनाने के लिए सिंहस्थ की तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उज्जैन तथा आसपास के क्षेत्रों में विकास के कार्य तेजी से जारी हैं। श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए उज्जैन के आसपास फोर लेन और सिक्स लेन सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

'लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्षी एकता में पड़ सकती है दरार', बोले किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी | केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष की एकता में दरार पड़ने की संभावना जताई है। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के अविश्वास प्रस्ताव पर तृणमूल कांग्रेस ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। साथ ही ज्यादातर छोटी पार्टियां सदन को ठप करने के पक्ष में नहीं हैं। विधानसभा चुनावों से पहले वे अपने मुद्दे उठाना चाहते हैं।

गौरतलब है कि विपक्ष के हंगामे के चलते अभूतपूर्व घटनाक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपना जवाब नहीं दे सके थे। अध्यक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पीएम का धन्यवाद प्रस्ताव पढ़ा और विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच इसे ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इसके बाद, सदन में खराब व्यवहार के लिए आठ विपक्षी सदस्यों को बजट सत्र के बाकी समय के लिए निलंबित कर दिया गया था। इसके चलते विपक्ष ने बिरला पर पक्षपात का आरोप लगाया है।

रिजिजू ने कहा कि बजट सत्र का दूसरा चरण दिलचस्प होगा क्योंकि कई अहम बिल और एक महत्वपूर्ण बिल संसद में बहस और पारित होने के लिए पेश किए जाएंगे। उन्होंने चेताया कि अगर विपक्षी पार्टियां सत्र के पहले चरण की तरह ही अपना विरोध जारी रखती हैं और सदन को चलने नहीं दिया गया तो हम गिलोटिन का रास्ता अपनाएंगे। यह उनके लिए ही नुकसानदायक होगा। सत्र के दूसरे हिस्से के दिलचस्प होने पर उन्होंने कहा कि यह चार बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम और केरल के साथ-साथ केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ मेल खाता है। हम एक महत्वपूर्ण विधेयक के साथ कई अहम बिल लाएंगे।

दुनियाभर में कल दिखेगा वलयाकार सूर्य ग्रहण का नजारा, रिंग ऑफ फायर से सजेगा आसमान

नई दिल्ली, एजेंसी द्य खगोलीय गणनाओं के अनुसार, यह ग्रहण भारतीय समयानुसार मंगलवार दोपहर लगभग 12:31 बजे अपने चरम पर होगा। यह अंटार्कटिका जैसे क्षेत्रों में पूर्ण रूप से दिखाई देगा। इस दौरान रिंग ऑफ फायर का अद्भुत दृश्य लगभग 2 मिनट 20 सेकंड तक बना रहेगा। ग्रहण की शुरुआत वैश्विक समयानुसार (यूटीसी) सुबह 09:56 बजे होगी। यह मुख्य रूप से दक्षिणी गोलार्ध के देशों के लिए अनुकूल है।

17 फरवरी के रिंग ऑफ फायर के बाद, 12 अगस्त 2026 को दुनिया एक पूर्ण सूर्य ग्रहण देखेगी। यह एक दुर्लभ अवसर होगा जब चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह से ढंक लेगा। इससे प्रभावित क्षेत्रों में कुछ मिनटों के लिए दिन, रात में बदल जाएगा।

यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसका मुख्य कारण यह है कि जब यह खगोलीय घटना घटित होगी, तब भारत में सूर्य क्षितिज के नीचे होगा (रात या शाम का समय)। इसलिए देश के किसी भी हिस्से से इस ग्रहण को देखना संभव नहीं होगा।

महाशिवरात्रि पर भोपाल में देश की पहली किन्नर शंकराचार्य का पट्टाभिषेक, सैकड़ों किन्नरों की हुई 'घर वापसी'

• भोपाल संवाददाता

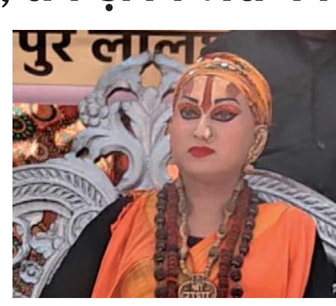

भोपाल | मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार (15 फरवरी, 2026) को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर किन्नर अखाड़ा और भगवा पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में लालघाटी पर आयोजित भव्य सम्मेलन में देश की पहली किन्नर शंकराचार्य के रूप में हिमांगी सखी का विधिवत पट्टाभिषेक किया गया. उन्हें वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच शंकराचार्य पद की उपाधि प्रदान की गई.

कार्यक्रम में किन्नर अखाड़ा के संस्थापक ऋषि अजय दास की उपस्थिति में यह महत्वपूर्ण घोषणा की गई. सम्मेलन में देशभर से आए किन्नर समुदाय के प्रतिनिधि, संत-महात्मा और अनुयायी बड़ी संख्या में शामिल हुए. आयोजन के दौरान मुस्लिम धर्म अपना चुके कई किन्नरों की शुद्धिकरण प्रक्रिया के माध्यम से घर वापसी कर पुनः सनातन धर्म में प्रवेश कराया गया.

वहीं, इस दौरान राजस्थान के पुष्कर में स्थित पीठ को देश के पहले किन्नर शंकराचार्य पीठ के रूप में घोषित किया गया. हिमांगी सखी मां वैष्णो किन्नर अखाड़ा की प्रमुख हैं और उन्हें पहली किन्नर भागवत कथावाचक के रूप में भी जाना जाता है.

किन्नर अखाड़ा के संस्थापक ऋषि अजय दास ने कहा कि सम्मेलन में किन्नर परंपरा के अंतर्गत शंकराचार्य, जगतगुरु और महामंडलेश्वर सहित महंतों की भी घोषणा की गई. इस दौरान, जगतगुरु पद पर काजल ठाकुर (भोपाल), तनीषा सनातनी (जयपुर), संजना (भोपाल) और संचिता (महाराष्ट्र) को मनोनीत किया गया. वहीं, रानी ठाकुर, माही सनातनी, सरिता भार्गव, मंजू यादव, प्रभा पटेल, नकुशा, पलपल गुरु उज्जैन और रानी ठाकुर सहित अन्य को महामंडलेश्वर पद से अलंकृत किया गया.

पट्टाभिषेक के उपरांत हिमांगी सखी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि किन्नर समाज को संगठित कर सनातन परंपरा के तहत संरक्षित करना उनका दायित्व है. उन्होंने शंकराचार्य पद पर आपत्ति जताने वालों को खुले मंच पर शास्त्रार्थ की चुनौती दी. इसके साथ ही, उन्होंने विभिन्न स्थानों पर किन्नर पीठ स्थापित करने की घोषणा भी की.

इस मौके पर भगवा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाकांत शुक्ला, प्रदेशाध्यक्ष शिवकुमार भार्गव, आर.एस. खालसा, संत श्री सत्यानंद स्वामी जी महाराज सहित विभिन्न राज्यों से आए किन्नर समुदाय के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

डोंबिवली ईस्ट की बिल्डिंग पार्किंग में भीषण आग, 29 बाइक जलीं; पांच लोग झुलसे

• मुंबई, एजेंसी

मुंबई, एजेंसी | महाराष्ट्र के डोंबिवली ईस्ट इलाके में एक रिहायशी इमारत की बेसमेंट पार्किंग में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दर्जनों गाड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। इस घटना में आग बुझाने की कोशिश कर रहे पांच लोग झुलस गए। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है और उनका इलाज जारी है।

डोंबिवली ईस्ट में राज अपार्टमेंट और राधिकरण सोसाइटी नाम की दो सटी हुई इमारतों की साझा बेसमेंट पार्किंग में यह आग लगी। शुरुआती जानकारी के अनुसार पार्किंग में खड़ी एक मोटरसाइकिल में अचानक आग लगी, जो कुछ ही मिनटों में फैल गई। आग ने पास में खड़ी अन्य गाड़ियों को भी पकड़ लिया। कुल 29 बाइक जलकर खाक हो गईं। आग के साथ घना धुआं सीढ़ियों से होते हुए ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

आग लगते ही बेसमेंट से उठता धुआं पूरे भवन में भरने लगा। बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कई परिवार घबराकर तुरंत अपने घरों से बाहर निकल आए। सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने शुरुआत में खुद आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेज होने के कारण वे सफल नहीं हो सके।

दोनों इमारतों के कुछ लोग नीचे बेसमेंट में आग बुझाने के लिए पहुंचे।

'पिनाराई विजयन फिर बनेंगे केरल के सीएम', मणिशंकर अय्यर के बयान पर मचा बवाल, कांग्रेस ने झाड़ा पल्ला

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के एक बयान पर बवाल मच गया है. अय्यर ने रविवार (15 फरवरी, 2026) को कहा है कि केरल भारत का एकमात्र राज्य है, जो गांधी जी के पदचिन्हों पर आगे बढ़ा है. जिसकी तरक्की हुई है. इसके अलावा उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन आगामी विधानसभा चुनाव में अपना पद बनाए रखेंगे. हालांकि, कांग्रेस ने इससे पल्ला झाड़ लिया.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर तिरुवनंतपुरम में केरल सरकार के विजन 2031 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेवलपमेंट एंड डेमोक्रेसी को संबोधित करने पहुंचे थे. उन्होंने कहा कि यह अजीब बात है कि भारत का एकमात्र राज्य जिसने गांधी जी की बताई दिशा में तरक्की की है. वह भी भारत की मार्क्सवादी लेनिनवादी पार्टी (CPIM) द्वारा शासित है. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह तारीफ है या अपमान. मुझे इस अवसर पर अपनी पार्टी के सहयोगियों की अनुपस्थिति का बहुत अफसोस है. अय्यर ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की मौजूदगी में मुझे यकीन है कि अगले मुख्यमंत्री होंगे. मैं अपनी अपील दोहराता हूं. केरल को देश का सबसे अच्छा पंचायती राज्य बनाने के लिए, हमारे पास जो भी अनुभव हैं, उसके आधार पर राज्य के कानूनों में बदलाव भी किया जाना चाहिए.

'भारत में रहने वाला हर व्यक्ति हिंदू है, क्योंकि...', गोरखपुर में आयोजित सभा में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में आयोजित जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की बात ही संघ क्यों करता है, क्योंकि इस देश में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है. हिंदू समाज मानता है कि हमारा रास्ता भी ठीक है और तुम्हारा भी. इस समाज में रुचि के अनुसार अलग-अलग पंथ-संप्रदाय हैं. हमारे रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक है. इस धारणा को मानने वाला ही हिंदू समाज है.

उन्होंने कहा कि मिलजुल कर चलो, ऐसा मानने वाले को एक नाम हिंदू दिया गया. वास्तव में हिंदू शब्द एक संज्ञा नहीं, बल्कि व्याकरण की दृष्टि से एक विशेषण है, जो गुणधर्म बताता है. जो सबको एक साथ चलाता है. मोक्ष की तरफ ले जाता है, यही हिंदू धर्म है. चूंकि यह हिंदू नाम भारत के साथ रूढ़ हो गया है, इसलिए हिंदू नाम से ही सनातन जगेगा. जो भूल गए है कि हम हिंदू है, उन्हें याद दिलाना है कि आप हिंदू हो, जिससे हिंदू समाज खड़ा हो सकें. हमें अपना ध्येय पूर्ण करना है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत की ओर से संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार (15 फरवरी, 2026) को तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ ऑडिटोरियम में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि समाज सहिष्णुता और समन्वयता से ही चलना चाहिए,

एमएसपी पर राहुल गांधी को अमित शाह का करारा जवाब, कहा- झूठ बोलकर जनता को गुमराह न करें

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछली यूपीए सरकार की तुलना में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 15 गुना अधिक अनाज खरीदा है। गांधीनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार और कांग्रेस नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं। मुझे इस पर हंसी आती है।

यह घटना राहुल गांधी द्वारा 2026 के बजट सत्र के पहले चरण के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को सरकार की आलोचना का मुख्य बिंदु बनाने के बाद सामने आई है, खासकर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के संदर्भ में। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता किसानों के साथ धोखा है, जिससे खरीद प्रणाली कमजोर हो सकती है और एमएसपी और बोनस में कमी आ सकती है।

उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार सस्ते अमेरिकी आयात की अनुमति देती है, जिससे घरेलू एमएसपी अप्रभावी हो सकता है, तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में कपास, सोया और मक्का के किसान 'मूल्य संकट' से कैसे निपटेंगे। 13 फरवरी, 2026 को गांधी ने संसद में किसान संघों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जहां उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए सरकार पर दबाव डालने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

11 फरवरी को अपने बजट भाषण में, उन्होंने सरकार पर भारतीय किसानों के हितों को विदेशी बाजारों में 'बेचने' का आरोप लगाया और तर्क दिया कि जहां अमेरिकी किसानों को भारी सब्सिडी का लाभ मिल रहा है, वहीं भारतीय किसानों को उचित कानूनी एमएसपी से वंचित रखा जा रहा है। उनके आरोपों का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा कि संसद में कांग्रेस के राजकुमार राहुल गांधी किसानों की बात करते हैं। आज मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आपने किसानों से कितना अनाज खरीदा है।

38 देशों के साथ व्यापार समझौता

'हम तैयार हैं' वाले विकसित भारत का संकल्प है बजट, पीएम मोदी ने बताया- कैसे बढ़ा निवेशकों का भरोसा

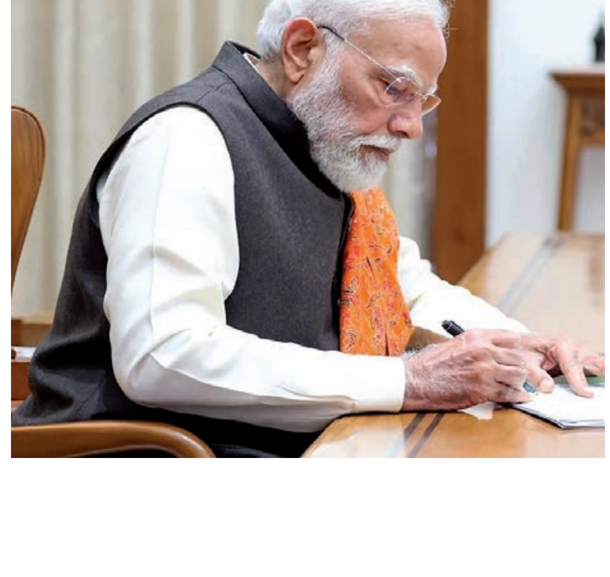

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को व्यापक रक्षा आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सरकार का यह कर्तव्य है कि वह वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सशस्त्र बलों को मजबूत करे, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में किए गए बढ़े हुए आवंटन में परिलक्षित होता है। एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तत्परता का संकेत देता है। इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है। बजट कोई मजबूरी से उत्पन्न 'अभी या कभी नहीं' वाला क्षण नहीं है, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से उत्पन्न 'हम तैयार हैं' वाला क्षण है। देश के रक्षा बलों की सहायता करने और उन्हें मजबूत करने के लिए सरकार को जो भी करना होगा, करेगी। रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मौजूदा हालात के हिसाब से रक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाए। हमारे एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) का उद्देश्य वस्त्र, चमड़ा, रसायन, हस्तशिल्प, रत्न और अन्य क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने संप्रग सरकार के समय के 'आर्थिक कुप्रबंधन' की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारत को आत्मविश्वास के साथ बातचीत करने की स्थिति में नहीं छोड़ा। संप्रग सरकार के दौरान बातचीत शुरू होती थी और फिर टूट जाती थी, लेकिन लंबी बातचीत के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाता था। पीएम मोदी ने कहा कि सुधार सरकार की प्रतिबद्धता है, जिसे उसने अपने शब्दों और भावना में प्रदर्शित किया है। अगले चरण के आर्थिक परिवर्तन के लिए निजी क्षेत्र महत्वपूर्ण, उनसे 'निर्णायक प्रतिक्रिया' देने का अनुरोध है।

रंगोत्सव होली धमाल का आयोजन 4 को

ग्वालियर। श्री अग्रवाल शक्ति ग्वालियर द्वारा होली के अवसर पर चार मार्च को जीवाइएमसी मैदान में रंगोत्सव होली धमाल का आयोजन किया जाएगा। मुख्य आयोजक आनंद अग्रवाल रंग वाला ने बताया कि इस अवसर पर सुबह साढ़े आठ से रात्रि 11 बजे तक होली खेली जाएगी। शाम पांच से रात्रि 11 बजे तक जीणे माता का मंगल पाठ, भजन संध्या एवं इत्रों की होली के साथ प्रसादी कार्यक्रम रहेगा। इस अवसर पर कलकत्ता के भजन गायक नीरज अग्रवाल प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में तीनों शहर के अग्रवाल समाज के संगठनों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

मेलाश्री संभाग स्तरीय मेन्स फिजिक व बाडी बिल्डिंग चैंपियनशिप 22 को

ग्वालियर। व्यापार मेला परिसर के फैसिलिटेशन सेंटर में 22 फरवरी को मेलाश्री संभाग स्तरीय मेन्स फिजीक व बाडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। ग्वालियर डिस्ट्रिक्ट बाडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया एवं सचिव सलमान पठान ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता मेला प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित की जा रही है। भाग लेने वाले खिलाड़ियों का वजन सुबह आठ से 10 बजे तक लिया जाएगा और दोपहर 12 बजे से प्रतियोगिता शुरू होगी। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष गजेंद्र तिवारी एवं चंबल क्रीड़ा परिषद के सचिव ज्योदित्य भदौरिया भइयू ने बताया कि विभिन्न वजन वर्ग में होने वाली इस प्रतियोगिता में ग्वालियर के साथ-साथ भिंड, मुरैना, डबरा, दतिया, श्योपुर, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर के खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है।

बैजू बावरा महोत्सव का आयोजन 17 से

ग्वालियर। राजा मानसिंह तोमर संगीन एवं कला विश्वविद्यालय और प्रयास शिक्षा, साहित्य, कला व संगीत पीठ समिति के संयुक्त तत्वावधान में बैजू बावरा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि ध्रुपद गायन शैली पर केंद्रित इस संगीत महोत्सव का शुभारंभ 17 फरवरी को सुबह 10.30 बजे से विश्वविद्यालय के तानसेन सभागार में होगा, जो कि तीन दिन तक चलेगा।

अचलेश्वर महादेव के 50 हजार भक्तों ने किए दर्शन, 300 साल पुराना है मंदिर

महाशिवरात्रि पर ग्वालियर में बम-बम भोले से गूंजे शिवालय

ग्वालियर। अचलेश्वर मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। मंदिर के तीनों द्वार खुले हुए हैं और हर द्वार पर भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। श्रद्धालु रात लगभग 12 बजे से ही दर्शन के इंतजार में खड़े थे, जिन्होंने सुबह 4 बजे से भगवान अचलनाथ के दर्शन करना शुरू किया।

महाशिवरात्रि पर रविवार सुबह 10 बजे तक अचलेश्वर महादेव पर लगभग 50 हजार भक्तों ने दर्शन कर लिए हैं। मंदिर प्रशासन का दावा है कि रात तक करीब 2 लाख भक्त दर्शन करेंगे। भगवान अचलनाथ के दर्शनों के लिए ग्वालियर-चंबल अंचल ही नहीं, बल्कि आसपास के अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बाबा अचलनाथ को छप्पन भोग अर्पित करने की तैयारी चल रही है, जिसके लिए विशेष मंच सजाया गया है। अचलेश्वर के बाहर सड़कों पर दूर-दूर तक भक्त दर्शन के लिए लाइन में लगे हैं।

■ 300 साल पुराना है मंदिर: ग्वालियर का अचलेश्वर मंदिर लगभग 300 साल पुराना है। मान्यता है कि सिंधिया राजवंश के समय यहां भगवान ने पिंडी रूप में दर्शन दिए थे। इस पिंडी को अन्य स्थान पर स्थापित करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन पिंडी अपने स्थान से नहीं हिली। इसके बाद उसी स्थान पर भगवान अचलेश्वर महादेव के नाम से मंदिर का निर्माण कराया गया। इसके अलावा, शहर के प्रमुख गुप्तेश्वर, कोटेश्वर, मार्कंडेश्वर, भूतेश्वर, हजारेश्वर और मंगलेश्वर मंदिर सहित अन्य शिवालयों को भी आकर्षक रूप से सजाया गया है। मंदिरों में विशेष सजावट, रोशनी और भव्य श्रृंगार किया गया है।

■ गुप्तेश्वर महादेव से निकली शिव बारात: महाशिवरात्रि पर गुप्तेश्वर मंदिर से सुबह 11 बजे गुप्तेश्वर महादेव सेवा संघ द्वारा चल समारोह निकाला जा रहा है। चल समारोह की शुरुआत सुबह 11 बजे मंदिर परिसर से हुई। यह भगवान शिव की बारात है जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए हैं। सेवा संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि चल समारोह गुप्तेश्वर मंदिर से प्रारंभ हुआ है जो जनकगंज, सराफा बाजार, फालका बाजार स्थित राम मंदिर, ऊंट पुल और इंदरगंज मार्ग से होता हुआ अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगा। पूरे मार्ग में धार्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े और शंख ध्वनि की विशेष व्यवस्था की गई है।

एसआईआर कार्य को निष्ठापूर्वक पूर्ण करने पर कलेक्टर बीएलओ से हुई रूबरू

ग्वालियर। मतदाता पुनरीक्षण कार्य एसआईआर के समापन अवसर पर सागरताल जलालपुर रोड स्थित संयुक्त अनुविभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान बीएलओ से रूबरू हुई। साथ ही एसआईआर का कार्य निष्ठापूर्वक पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के समापन पर सागरताल जलालपुर रोड स्थित संयुक्त अनुविभागीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान शामिल हुई। इस अवसर पर कलेक्टर ने बीएलओ से चर्चा की और उनका अनुभव जाना। कर्मचारियों द्वारा एसआईआर कार्य को बेहतर तरीके से पूर्ण करने पर सभी को बधाई दी। इसके बाद वहां पर प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने बीएलओ के साथ बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सी बी प्रसाद, एसडीएम प्रदीप कुमार शर्मा, अपर आयुक्त नगर निगम प्रदीप तोमर, मुनीष सिकरवार सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नवनिर्मित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का भी अवलोकन किया।

अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में जनकार्य एवं जन कल्याण टीम रही विजेता

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशन में कराए जा रहे अंतर्विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में एमएलबी कॉलेज पर क्रिकेट का रोमांचक मुकाबला दिन प्रतिदिन देखने को मिल रहा है। आज का पहला मैच जनकार्य और एसबीएम के मध्य हुआ। जिसे जनकार्य की टीम ने 73 रन से एसबीएम को हराया। वहीं दूसरा मैच जनकल्याण/NULM और चिड़ियाघर के मध्य हुआ, जनकल्याण की टीम ने 139 रन का लक्ष्य प्रतिद्वंदी को दिया। जो कि एक तरफा नजर आया जिसे जनकल्याण/NULM के कप्तान सुरेश मालवीय की रणनीति से चिड़ियाघर की टीम पर शुरू से ही दवाब बनाए रखा।

जन आक्रोश सभा में शामिल होने के लिए कांग्रेसजन रवाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का भव्य स्वागत

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता आज मोहना बस स्टैंड में आयोजित जन आक्रोश सभा में शामिल होने के लिए रवाना हुए। सभा स्थल पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के आगमन पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भव्य स्वागत किया गया। फूलमालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ पूरा मोहना कांग्रेस के झंडों से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि आज मोहना की इस धरती पर हमारी जन आक्रोश सभा सिर्फ एक सभा नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के प्रति मध्य प्रदेश की जनता का गुस्सा है। भाजपा सरकार ने महंगाई का पहाड़ खड़ा कर दिया, बेरोजगारी ने युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया, किसान कर्ज में डूबकर आत्महत्या कर रहे हैं, महिलाएं सड़कों सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा ने देश में सिर्फ नफरत और लूट का खेल खेला है। कांग्रेस हमेशा जनता के साथ हैं। हम गरीब की रोटी, किसान की खेती, युवा का रोजगार और महिलाओं की सुरक्षा के लिए लड़ेंगे। जीतू पटवारी के नेतृत्व में आज हम सब एक हैं। यह आक्रोश सभा सिर्फ शुरुआत है। 2028 में हम मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाएंगे और हर गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाएंगे।

अग्रवाल महासभा का होली मिलन समारोह आठ को

ग्वालियर। श्री अग्रवाल महासभा द्वारा 8 मार्च को जीवाईएमसी मैदान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय महासभा की कार्यकारिणी बैठक में लिया गया। अध्यक्ष सुरेश बंसल एवं महामंत्री रवि कुमार गर्ग ने बताया कि 8 मार्च रविवार को सायं 7 बजे से जीवाईएमसी परिसर में आयोजित होली मिलन समारोह में परंपरागत तरीके से फूलों की होली खेली जाएगी। साथ ही जोधपुर के अंतरराष्ट्रीय कलाकार जय चौधरी अपनी आकर्षक प्रस्तुतियां देंगे। इसके साथ ही अग्रवाल समाज की महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम फाग की उमंग होली गीतों के संग रखा गया है। जिसमें महिलाएं होली के पारंपरिक गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष विष्णु जैन, हरिबाबू गोयल, कोषाध्यक्ष जे. सी. गोयल, दिलीप अग्रवाल, शैलेन्द्र बंसल, रेखा अग्नवाल, पूजा अग्रवाल, मीडिया प्रभारी ज्योति अग्रवाल, मनोज अग्रवाल बाबा, राजेश ऐरन, श्याम बंसल अप्पा, दीपक जैन, सतीश अग्रवाल, अरुण बंसल, मोहन अग्रवाल, सतीश गोयल, अजय सिंघल आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज से वाया ग्वालियर निजामुद्दीन चलेगी ट्रेन 18 से

ग्वालियर। होली के त्योहार पर यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। अलग-अलग स्टेशनों के लिए इन ट्रेनों को शुरू किया जा रहा है। इसी क्रम में अब प्रयागराज से ग्वालियर होते हुए हजरत निजामुद्दीन तक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में ट्रेन क्रमांक 04123 प्रयागराज-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन 18 फरवरी से आठ मार्च तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को छह फेरों के लिए प्रयागराज से दोपहर 2:50 बजे रवाना होगी। ये ट्रेन शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूटधाम कर्वी, अतर्रा, बांदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर होते हुए रात 10:35 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन पहुंचेगी। ये ट्रेन देर रात 1:05 बजे ग्वालियर आएगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, कोसीकलां होते हुए सुबह 11:35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वहां से वापसी में ट्रेन क्रमांक 04124 हजरत निजामुद्दीन-प्रयागराज स्पेशल प्रत्येक गुरुवार एवं सोमवार को दोपहर 3:45 बजे रवाना होगी। ये ट्रेन रात 10:15 बजे ग्वालियर आएगी।

जो राम के अस्तित्व को नहीं मानता, वह अपना अस्तित्व खो देता है: डॉ. कुमार विश्वास

रामकथा प्रेम सिखाती है, राजनीति नहीं, लोकनीति से ही बनेगा रामराज्य

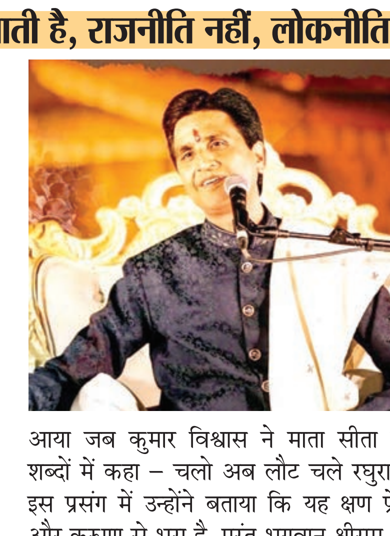

डबरा। डबरा के नवग्रह शक्ति पीठ प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन शनिवार को विश्वविख्यात कवि और कथावाचक डॉ. कुमार विश्वास ने अपनी प्रसिद्ध रामकथा अपने-अपने राम का शुभारंभ किया। उनके प्रवचन से पूरा पंडाल भक्ति, भाव और प्रेम से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में प्रदेश के कई गणमान्य नेता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। रामकथा का आयोजन 16 फरवरी तक चलेगा।

रामकथा जीवन का संस्कार, न कि केवल धार्मिक आयोजन: डॉ. कुमार विश्वास ने अपने प्रवचन की शुरुआत यह कहते हुए की कि ÷रामकथा प्रेम सिखाती है और इस प्रेम की शुरुआत परिवार से होती है।÷ उन्होंने कहा कि जब तक घर में संवाद और समझ नहीं होगी, तब तक समाज और विश्व में शांति की कल्पना अधूरी रहेगी। उन्होंने श्रोताओं से कहा – रामकथा कोई कथा नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। राम हमें सिखाते हैं कि मर्यादा, त्याग और वचनपालन जीवन के सर्वोच्च मूल्य हैं। राम – मर्यादा, वचन और पारिवारिक प्रेम। डॉ. कुमार विश्वास ने भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि राम का जीवन यह सिखाता है कि निजी सुख से ऊपर कर्तव्य, लोक और मर्यादा होती है। उन्होंने बताया कि पिता की आज्ञा, भ्रातृ प्रेम और दांपत्य मर्यादा आज के समाज के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी त्रेता युग में थीं। चलो अब लौट चले रघुराई÷ – सीता की करुण पुकार भावनात्मक क्षण तब आया जब कुमार विश्वास ने माता सीता के शब्दों में कहा – चलो अब लौट चले रघुराई। इस प्रसंग में उन्होंने बताया कि यह क्षण प्रेम और करुणा से भरा है, परंतु भगवान श्रीराम के लिए लोकमर्यादा और पिता का वचन सर्वोपरि बन जाता है। उन्होंने कहा, यही रामत्व है – जब व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर कर्तव्य निभाया जाए।

राजनीति नहीं, लोकनीति से बनेगा रामराज्य: प्रवचन में डॉ. कुमार विश्वास ने रामराज्य की अवधारणा को आज की राजनीति से जोड़ते हुए कहा – लोकतंत्र और गणतंत्र में 'लोक' पीछे छूट गया है और 'तंत्र' आगे बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि राजनीति का असली अर्थ लोकनीति होना चाहिए और नेता का अर्थ लोकसेवक। जब राजनीति राष्ट्रनीति से ऊपर नहीं जाएगी, तभी रामराज्य की अनुभूति संभव होगी।

नवग्रह शक्ति पीठ में ग्रहों की कृपा, शनि देव की महिमा: डॉ. कुमार विश्वास ने नवग्रह शक्ति पीठ में स्थापित सभी नवग्रहों के महत्व और उनके मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति ग्रहदोष से पीड़ित है, वह यहां डबरा नवग्रह शक्ति पीठ आकर नवग्रहों को नमन करे, अवश्य राहत पाएगा। विशेष रूप से उन्होंने शनि देव का उल्लेख करते हुए बताया कि पीपल के वृक्ष पर जल अर्पित करने से शनि के दुष्प्रभाव कम होते हैं।

उन्होंने मंच से घोषणा की — जो शनि के कोप से पीड़ित हैं, वे डबरा आकर नवग्रह शक्ति पीठ में ऊँ शन शनिश्चराय नमः' का जप करें, शनि देव की कृपा अवश्य प्राप्त होगी। जो राम के अस्तित्व को नहीं मानता, वह अपना अस्तित्व खो देता है कथा के अंत में डॉ. कुमार विश्वास ने दृढ़ स्वर में कहा – जो कोई भी व्यक्ति राम के अस्तित्व को नहीं मानता, वह अपना अस्तित्व खो देता है। उन्होंने रामकथा के संदेश को दोहराया – परिवार में प्रेम, समाज में शांति और विश्व में सद्भाव ही सच्चा रामराज्य है। पूरे प्रवचन के दौरान श्रोताओं ने हर प्रसंग पर भाव-विभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष लगाए। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से गौरवान्वित हुआ डबरा कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार, कैबिनेट मंत्री करण सिंह वर्मा, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, पूर्व सांसद के.पी. यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर रावत सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

केरल के दल ने विधानसभा अध्यक्ष तोमर से की उनके निवास पर चर्चा शहर विकास के कार्यों के साथ-साथ गौशाला का भी किया अवलोकन

ग्वालियर। शहर में केरल के जनप्रतिनिधियों का एक दल भ्रमण कर शहर विकास के कार्यों का अवलोकन कर रहा है। दल द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ शनिवार को नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला लाल टिपारा का भी अवलोकन किया। केरल का यह दल दो दिवस तक शहर में भ्रमण कर शहर की ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन करने के साथ-साथ आमजनों के हितार्थ शासन द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अवलोकन करेगा।

केरल से आए जनप्रतिनिधियों के दल ने शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के निवास पर जाकर उनसे भेंट की तथा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही ग्वालियर-चंबल संभाग के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की। यह दल नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला लाल टिपारा भी पहुँचा। उन्होंने गौशाला में निराश्रित गायों की देखभाल के कार्यों का अवलोकन किया एवं संत लोगों से विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा गौशाला परिसर में संचालित सीएनजी प्लांट का भी अवलोकन किया। केरल से आए दल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम द्वारा निर्मित किए गए सागरताल स्थित आवासों का भी अवलोकन किया एवं निवास कर रहे नागरिकों से चर्चा की। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन का भी अवलोकन किया। दल द्वारा ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग पर संचालित लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम का भी अवलोकन करने के साथ-साथ ग्वालियर किले का भ्रमण भी किया। केरल से आया यह दल 15 फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के निवास स्थान शिंदे की छावनी पहुँचकर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही संचालित लाइब्रेरी का भी अवलोकन करेंगे। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वालियर में संचालित कंट्रोल कमाण्ड सेंटर का अवलोकन करेंगे।

केरल का दल परिषद भवन का अवलोकन और पार्षदों से करेगा चर्चा: केरल से आया जनप्रतिनिधियों का दल रविवार को ग्वालियर के जलविहार में संचालित परिषद भवन का भी अवलोकन करेगा। इसके साथ ही परिषद संचालन के संबंध में पार्षदगणों से भी चर्चा करेगा। दल के साथ बाल भवन के सभागार में पार्षदगणों से चर्चा भी की जायेगी।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी ग्वालियर में सहायक कमांडेंट (सीधी भर्ती) क्रमांक-52 की दीक्षांत परेड संपन्न

ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी में सहायक कमाण्डेन्ट (सीधी भर्ती) क्रमांक- 52 की दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। इस परेड में कुल 71 प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुख्य अतिथि महानिदेशक बीएसएफ प्रवीण कुमार को सलामी दी। अकादमी के निदेशक आनंद प्रताप सिंह भा.पु.से. ब्रजेश कुमार संयुक्त निदेशक एवं मुख्य अनुदेशक, अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र के कमाण्डर राजेश कुमार महानिरीक्षक वरिष्ठ प्रशिक्षक तथा अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र की प्रशिक्षण टीम के कुशल मार्गदर्शन में इन अधिकारियों ने कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने आपको देश की सीमाओं की देखभाल के लिए सक्षम बनाया है। ज्ञातव्य है कि मानसिक सजगता, शारीरिक योग्यता तथा बुद्धि की तीक्ष्णता के आधार पर अखिल भारतीय खुली स्पर्धा के माध्यम से चुने गए इन युवा अधिकारियों में 58 स्नातक तथा 13 स्नातकोत्तर की शैक्षणिक योग्यता रखते हैं। पास आऊट होने वाले अधिकारी देश के अलग-अलग राज्यों से संबंध रखते हैं। इन प्रशिक्षु अधिकारियों को 52 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण की भट्टी में फौलाद की तरह कौशल, तपाकर सीमा सुरक्षा बल की कुशल प्रशिक्षण टीम ने इन्हें शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल युद्ध निशानेबाजी, बिना हथियार लड़ने की कला, विधि व कानून मानवाधिकार अधिनियम पुलिस की रोजमर्रा की कार्यवाही आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग सीमा की निगरानी आतंकवाद व उग्रवादियों से लड़ने जैसे विषयों के साथ वाहन चलाना कम्प्युटर प्रशिक्षण तैराकी घुड़सवारी और एडवेन्चर ट्रेनिंग का भी गहन प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रेनिंग के दौरान इनके व्यक्तित्व को संवारने चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता को विकसित करने पर विशेष कार्यक्रम चलाये गये हैं।

सातवीं के छात्र ने खुद रची थी अपनी बेहोशी की साजिश

गुना। शहर की आदर्श कॉलोनी में किराये से रह रहे कक्षा सातवीं के एक छात्र के अचानक लापता होने से गुरुवार को इलाके में हड़कंप मच गया। परिजन और पुलिस जब उसकी तलाश में जुटे ही थे, तभी शहर से लगे ग्राम बिलोनिया में वह बालक बेहोशी की हालत में मिला। बालक द्वारा दो लोगों पर बेहोशी की दवा सुंघाकर अपहरण कर ले जाने का आरोप लगाए जाने के बाद मामला और भी गंभीर हो गया। हालांकि पुलिस की तफ्तीश में यह पूरा घटनाक्रम एक झूठी अपहरण की कहानी निकला, जो सायकिल नहीं मिलने की नाराजगी में बच्चे ने खुद गढ़ ली थी।

जानकारी के अनुसार आदर्श कॉलोनी में रहने वाला 12 वर्षीय बालक जाटपुरा माध्यमिक स्कूल में कक्षा सातवीं का छात्र है। गुरुवार को वह परीक्षा देने के बाद स्कूल से यह कहकर निकला था कि वह घर जा रहा है, लेकिन घर नहीं पहुंचा। कुछ समय बाद ग्राम बिलोनिया से उसके पिता के पास फोन आया कि एक बच्चा पुल के नीचे बेहोशी की हालत में पड़ा है और ग्रामीणों को आशंका है कि उसे किसी वाहन से यहां छोड़ दिया गया है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और डायल-112 को भी बुलाया गया।

बालक के पिता देवेन्द्र धाकड़ ने बताया कि बिलोनिया से फोन करने वाले व्यक्ति ने पहले बच्चे का नाम पूछा और फिर कहा कि कोई लोग उसे गाड़ी से यहां छोड़ गए हैं। सूचना मिलते ही वे मोटरसाइकिल से करीब दस मिनट में मौके पर पहुंचे। वहां उनका बेटा बेहोशी जैसी हालत में पड़ा था। बच्चे ने ही ग्रामीणों को उनका मोबाइल नंबर दिया था, जिसके बाद गांव वालों ने फोन कर बुलाया। उसी दौरान डायल-112 भी मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने बच्चे को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की। शुरुआत में बच्चे ने पुलिस और परिजनों को बताया कि वह स्कूल के बाहर पानी की बोतल भरने गया था। वहां खड़ी एक कार में बैठे लोगों ने उससे पानी मांगा। जैसे ही वह बोतल देने पहुंचा, पीछे से एक व्यक्ति ने उसे पकड़ लिया और इसके बाद उसे कुछ भी याद नहीं है। उसका कहना था कि दो लोग थे और उसे कहां ले गए, यह भी उसे नहीं पता। उसने यह भी कहा कि उसे बिलोनिया में बेहोशी की हालत में छोड़ा गया। हालांकि पुलिस ने जब बच्चे से विस्तार से और समझाइश के साथ पूछताछ की, तो कहानी में कई विरोधाभास सामने आए। पूछताछ के दौरान बालक ने स्वीकार किया कि उसके पिता ने उसे सायकिल नहीं दिलाई थी, जिससे वह नाराज था। उसे लगता था कि उसकी बहनों की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं, लेकिन उसकी बात नहीं मानी जाती। इसी नाराजगी में वह परीक्षा देने के बाद घर जाने के बजाय पैदल ही हाईवे की ओर चल पड़ा और बिलोनिया तक पहुंच गया। लंबा रास्ता पैदल तय करने के कारण वह भूखा-प्यासा हो गया और थकान के चलते बिलोनिया ब्रिज के नीचे सो गया। वहीं से ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी और पूरे घटनाक्रम ने अपहरण का रूप ले लिया। बच्चे के पिता ने भी बताया कि वे कभी उसके साथ मारपीट नहीं करते और उसकी मां रोज उसे स्कूल छोड़ने और लेने जाती है। घटना वाले दिन भी मां स्कूल गई थी, लेकिन वह उससे एक घंटे पहले ही यह कहकर निकल गया कि वह घर जा रहा है। बालक का यह कदम महज भावनात्मक नाराजगी का परिणाम था, जिसे उसने खुद ही एक झूठी कहानी का रूप दे दिया।

13 फरवरी को थाना कैंट की डायल-112 को एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि एक 12 साल का बालक रोड पर पड़ा है। जिस पर तत्काल डायल-112 मौके पर पहुंची और बच्चे को थाने लेकर आई। उसका नाम पता कर उसके परिजनों को थाने बुलाया। बच्चे द्वारा पहले तो बताया गया कि एक कार आई और उसे लेकर चली गई।

धार्मिक कार्यक्रम की मिठाई से बिगड़ी 18 लोगों की तबियत

जबलपुर। विगत दिवस जबलपुर भेड़ाघाट के समीप स्थित त्रिपुर सुंदरी मंदिर में विगत दिवस भेड़ाघाट निवासी पटैल परिवार द्वारा महिलाओं की सुहागलों का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में प्रसाद के रूप में लायी गई मिठाई बाद में जिसने भी चखी उसकी ही तबियत खराब होने लगी। ?स्थिति यह रही कि मिठाई खाने के बाद बेसुध हुए अथवा उल्टी दस्त के पीडितों की संख्या 18 पर जा पहुंची । सभी को अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया जिनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे जबलपुर से नागपुर रेफर किया गया हैं। मामलें की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन, खाद्य विभाग और पुलिस टीम के साथ ही स्वास्थ्य ?विभाग का अमला भी सक्रिय हो गया।

इस संबंध में जिला अस्पताल विक्टोरिया में उपचार कराने पहुंची आरती पटेल निवासी भेड़ाघाट चौराहा ने बताया कि विगत दिवस रिश्तेदारी में सुहागलों का कार्यक्रम हुआ था। जिसके लिए भेडाघाट चौराहे पर स्थित बीकानेर स्वीटस से चार किलो मिठाई खरीदी गई थी। गुरुवार को सुहागलों के दौरान मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद सभी महिलाओं ने प्रसाद लिया और फिर अपने परिवार को भी दिया, जिसके बाद पहले बच्चों को एकाएक उल्टी होने लगी, बच्चों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस तरह एक एक कर 18 लोग पीड़ित हो गए। इनमें से दो लोग भेड़ाघाट स्वास्थ्य केन्द्र में और दो लोग गोटेगांव में और कुछ अन्य आसपास के अस्पतालों में हैं तो वहीं 8 लोगों को जिला अस्पताल जबलपुर में रेफर किया गया है। वहीं आरती पटेल ने बताया कि उनके पति ने प्रसाद की महज एक पीस मिठाई खाई और वह चक्कर खाकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक गिरने से उनके सिर में फर्श की चोट लगने से वह अचेत हो गए जिन्हें पहले उपचार के लिए जबलपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। बाद में उनकी हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया है।

फूड प्वाइजनिंग की खबर मिलते ही पुलिस-प्रशासन के साथ खाद्य विभाग हरकत में आया है। अस्पताल पहुंचे घायलों से पूछताछ की जा रही है।

चार किलो मिठाई में से बाद में 2 किलो वापस भी की गईः दुकान संचालक............

इस मामले में मिठाई की दुकान चलाने वाले राजस्थान के जोधपुर निवासी सतपाल सिंह ने बताया कि उनकी दुकान से निः संदेह संबंधित प?रिवार ने धार्मिक कार्यक्रम के लिए चार किलो मिठाई बुधवार को खरीदी थी जिसमें से उन्होंने बाद में दो किलो वापस भी की है। वह अब तक उसी स्थिति में रखी है। सतपाल ने कहा कि जांच कर्ताओं को वह सौंप दी जाएगी और कार्यवाही में पूरा सहयोग किया जाएगा। दुकान संचालक के अनुसार जांच के बाद सही स्थिति सबके सामने आ जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेत्री से परेशान शिक्षिका ने लगाई फांसी, परिजनों ने पहुंचाया अस्पताल, हालत गंभीर

इन्दौर. एक भाजपा नेत्री की प्रताड़ना से तंग आकर शिक्षिका ने फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। गनीमत रही कि परिजनों ने उसे समय रहते अस्पताल पहुंचाया जिससे उसकी जान तो बच गई पर हालत गंभीर बनी हुई है। मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है जहां गत 11 फरवरी को बोरिंग को लेकर भाजपा नेत्री वंदना नामदेव ने शिक्षिका आंचल गुप्ता के साथ तीखी बहस की थी। और इसके बाद भाजपा नेत्री वंदना नामदेव ने शिक्षिका आंचल गुप्ता के खिलाफ पुलिस को शिकायत कर केस दर्ज करा दिया या था। केस दर्ज होने के बाद शिक्षिका आंचल जब रात को अपने घर लौट रही थी, तब वंदना ने उन्हें और उनके परिवार को रास्ते में रोका और फिर विवाद करते भला बुरा कहते धमकी दी थी। झूठा केस दर्ज होने और धमकियों के कारण आंचल तनाव में थी। इसके चलते उसने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आंचल के बयान के बाद कार्रवाई की बात कही है।

एमडी व गढ़पाले ने चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने रामपुर स्थित पावर मैनेजमेंट कंपनी के चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन राजीव गुप्ता, चीफ मेडकिल आफसिर डा. एस. के. वर्मा, अधीक्षण अभयिंता सिविल मुख्यालय धर्मेन्द्र वर्मा, हॉस्पिटल के चिकित्सक व नर्सिंग स्टॉफ उपस्थित था।

प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान उपलब्ध सुविधाओं नवीनतम डिजिटल एक्स-रे मशीन, आधुनिक ईसीजी मशीन कक्ष, पैथोलॉजी विभाग, बाह्य रोगी कक्ष (ओपीडी) और विभिन्न वार्ड में जाकर वहां की व्यवस्थाओं के बारे में चीफ मेडिकल ऑफिसर डा. एस. के. वर्मा से जानकारी ली।

पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक ने चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को 24 घंटे दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत कंपनियों के कार्मिकों व उनके परिजनों की चिकित्सा सुविधा के प्रति संवेदनशीलता सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

ब्यावरा खाटू श्याम मंदिर में विजया एकादशी पर्व पर पहुंचे हजारों श्रद्धालु

ब्यावरा. नगर के श्री खाटू श्याम मंदिर में शुक्रवार को विजया एकादशी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें देखी गई और पूरा वातावरण 'जय श्री श्याम' के जयकारों से गूंज उठा। पर्व के लिए मंदिर प्रबंधन समिति ने विशेष तैयारियां की थीं। बाबा श्याम का दिव्य श्रृंगार उज्जैन से मंगवाए गए 51 किलो ताजे फूलों से किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। रंग-बिरंगी रोशनी, पुष्पमालाओं और आकर्षक सजावट से मंदिर परिसर को भव्य रूप दिया गया था। श्रद्धालु भव्य श्रृंगार और सुसज्जित दरबार की एक झलक पाने के लिए उत्सुक दिखे। कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातः मंगला आरती से हुई। इसके बाद दिनभर पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विशेष आरतियों का क्रम जारी रहा। दोपहर की आरती के समय मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित दर्शन के लिए पहुंचे। इस अवसर पर कई गांवों और मोहल्लों से भव्य निशान यात्राएं भी निकाली गई।

एसआईआर : दावे आपत्तियों पर सुनवाई भी पूरी, अब 26 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

जबलपुर। जबलपुर जिले के सभी आठों विधानसभा क्षेत्र में लगभग दो माह तक चले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य पूरा हो गया है। दावों और आपत्तियों की सुनवाई प्रक्रिया भी 14 फरवरी से पहले ही समाप्त कर ली गई और अब 26 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। एसआईआर के तहत करीब 4 लाख 37 हजार ऐसे मतदाताओं जिनके फार्म की मैपिंग नहीं हो सकी थी या जिनके नाम, आयु, लिंग, उपनाम या पते में त्रुटियां थीं, उन्हें नोटिस जारी किए गए और इनमें से लगभग एक लाख मामलों में बीएलओ ने अपने स्तर पर सुधार कर दिया, जबकि शेष 3 लाख 37 हजार से अधिक मतदाताओं को नोटिस देकर सुनवाई की गई। जिला प्रशासन ने संबंधित मतदाताओं को नाम जोड़ने के लिए तीन अवसर दिए, लेकिन कई लोग आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। ऐसे मामलों में अब नाम काटने की कार्रवाई होगी और वे अंतिम सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। विशेष पुनरीक्षण के बाद अब सामान्य संशोधन प्रक्रिया ही लागू रहेगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक एसआईआर के दौरान कुल 3 लाख 37 हजार 632 नोटिस जारी किए गए, जिनमें से 3 लाख 33 हजार 934 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इनमें से जबलपुर कैंट में सर्वाधिक 51 हजार 167 नोटिस जारी हुए, जिनमें 50 हजार 871 का निपटारा हुआ जबकि जबलपुर पूर्व में 45 हजार 425 नोटिस में से 44 हजार 130 मामलों का समाधान किया गया। वहीं पनागर में 46 हजार 470 में से 45 हजार 794 प्रकरण निपटाए गए, तो पाटन में 39 हजार 926 में से 39 हजार 447 मामलों का निराकरण हुआ।

गैंगस्टर अब्दुल रज्जाक की याचिका पर राज्य शासन ने उठाया सवाल

जबलपुर। म.प्र. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल तथा न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार वानी के समक्ष जबलपुर के गैंगस्टर अब्दुल रज्जाक की याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि जब हिरासत का आधार ही याचिका में स्पष्ट नहीं है, तो उसे चुनौती कैसे दी जा सकती है। मामले में सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह और शासकीय अधिवक्ता मानस मणि वर्मा ने पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि रज्जाक की पत्नी सुबीना बेगम ने पहले हिरासत के खिलाफ याचिका दाखिल की थी, जिसे 8 जुलाई 2025 को वापस ले लिया गया था।

वसंतोत्सव मना सूरजमुखी के बीज किए वितरित

इन्दौर. विमेंस क्लब द्वारा ग्रेटर तिरुपति कॉलोनी उद्यान में वसंतोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें वसंत थीम पर आधारित तंबोला खेल विभिन्न मनोरंजक गेम्स आयोजित करते वसंत ऋतु से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे गए। रहवासी संघ की सुनीता अग्रवाल ने वसंत ऋतु पर चर्चा करते हुए कहा कि वसंत ऋतु प्रकृति के नवजीवन, उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। वहीं रहवासी संघ की पूर्व अध्यक्ष सीमा जेसवानी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपनी संस्कृति व त्योहारों से जुड़ने का अवसर मिलता है। समाज को पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से मुक्त रखते हुए अपनी भारतीय एवं हिंदू परंपराओं से परिचित कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से वुमेंस क्लब द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मेडिकल सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में थप्पड़ का मामला

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में विगत दिवस मरीज के साथ मारपीट के आरोपों को जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने पूरी तरह निराधार बताया है। इस संबंध में जूडा ने मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग की है।

घटना के संबंध में अपना पक्ष रखते हुए जूडा एसोसिएशन ने बताया कि अस्पताल के, टीबी विभाग में भर्ती मरीज कुलदीप रैकवार अल्ट्रासाउंड जांच के लिए ओपीडी आए थे। वहां मौजूद महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने संक्रमण के खतरे को देखते हुए उन्हें मास्क पहनने की सलाह दी थी, जो कि चिकित्सकीय मानकों के तहत अनिवार्य है। एसोसिएशन का कहना है कि डॉक्टर ने केवल सुरक्षा के लिहाज से अनुरोध किया था, लेकिन इसे गलत तरीके से पेश किया गया। इस घटना के बाद मरीज के अटेंडर ने आरोप लगाया था कि महिला डॉक्टर ने मरीज को थप्पड़ मारा है। जूडा ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे डॉक्टरों को बदनाम करने की साजिश बताया है। एसोसिएशन का कहना है कि अटेंडर ने न केवल हंगामा किया, बल्कि टीबी विभाग में जाकर सीएम हेल्पलाइन पर भी झूठी शिकायत दर्ज कराई। जूडा ने स्पष्ट किया है कि अस्पताल परिसर में किसी भी तरह की हिंसा नहीं हुई और लगाए गए सभी आरोप मनगढ़ंत हैं। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे रेजिडेंट डॉक्टरों के आत्मसम्मान और सुरक्षा पर हमला बताया है।

सहपाठी छात्रा की गला घोंटकर हत्या का आरोपी मुंबई से गिरफ्तार, निर्वस्त्र हालत में शव छोड़कर हो गया था फरार

इन्दौर, शहर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में चार दिन से लापता एमबीए छात्रा की निर्मम हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में हत्या करने वाले मृतक छात्रा के फरार सहपाठी छात्र पीयूष धामनोदिया को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में कल एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया था। यहाँ चार दिनों से लापता 25 वर्षीय एमबीए छात्रा का शव उसके सहपाठी पीयूष धामनोदिया के किराए के कमरे में निर्वस्त्र हालत में मिला। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ था कि छात्रा की गला घोंटकर हत्या की गई थी। वारदात के बाद से फरार मुख्य आरोपी पीयूष को इंदौर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। मृतक छात्रा और आरोपी पीयूष एक ही निजी संस्थान में एमबीए सेकंड सेमेस्टर के छात्र थे। छात्रा 10 फरवरी को घर से निकली थी और अपनी बहन को पीयूष के यहां एक बर्थडे पार्टी में जाने का मोबाइल पर कहने के बाद से ही लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। वहीं आरोपी पीयूष ने उसकी हत्या के बाद शव की दुर्गंध छिपाने के लिए कमरे की खिड़कियों और दरवाजों की झिर्रियों तक को कागज और कपड़ों से पूरी तरह पैक कर दिया था ताकि पड़ोसियों को भनक न लगे। लेकिन कल जब कमरे से तेज बदबू आने लगी तब क्षेत्रवासियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और भीतर का नजारा देख दंग रह गई। कमरे से हत्या में इस्तेमाल की गई रस्सी भी बरामद हुई है। उसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पीछा किया और उसे मुंबई से धर दबोचा। परिजनों का आरोप है कि पीयूष छात्रा को लंबे समय से ब्लैकमेल कर रहा था। उनके अनुसार आरोपी छात्रा पर पैसों का दबाव बना रहा था और संभवतः निजी वीडियो के जरिए उसे प्रताड़ित कर रहा था।

डीसीपी जोन-1 कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि आरोपी से सघन पूछताछ की जा रही है ताकि हत्या के वास्तविक कारणों और पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके।

वैलेंटाइन डे : भंवरताल गार्डन के गेट पर जडा ताला

जबलपुर। शनिवार को कतिपय युवाओं में लोकप्रिय वैलेंटाइन डे के अवसर पर कुछ स्थानों पर हालांकि गहमागहमी का माहौल रहा तो वहीं कुछ प्रेमी जोड़े या

तो शहर से बाहर तफरी को निकल गए या फिर उन्होंने हिंदूवादी संगठनों की चेतावनी को ध्यान में रखकर एक दिन पहले ही अपने मन की कर ली। यहां शनिवार को सुबह के समय हिंदू सेवा परिषद के कार्यकर्ताओं ने पाश्चात्य संस्कृति का विरोध करते हुए भंवरताल उद्यान (गार्डन) में मौजूद कुछ प्र?मी जोड़ों को बाहर कर गेट पर ताला जड़ दिया और जमकर नारेबाजी की। हिंदू सेवा परिषद के कार्यकर्ता सुबह से ही सक्रिय नजर आए। परिषद के सदस्य नारेबाजी करते हुए भंवरताल गार्डन पहुंचे, जहाँ उन्होंने वैलेंटाइन डे को विदेशी संस्कृति बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के आयोजनों से भारतीय संस्कारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वैलेंटाइन डे पर टेकरी और मंदिरों पर खाकी का पहरा, कोचिंग सेंटरों और पार्कों में भी पुलिस की सक्रियता

गुना। वैलेंटाइन डे के अवसर पर शनिवार को गुना शहर में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। शहर के धार्मिक स्थलों, विशेषकर हनुमान टेकरी मंदिर और पार्कों में पुलिस बल की भारी तैनाती रही। जहां एक ओर पुलिस की नजर हुड़दंगियों पर रही, वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों पर युवाओं में उत्साह भी देखा गया।

हनुमान टेकरी पर रहा भारी पुलिस बल

प्रशासन ने धार्मिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रसिद्ध हनुमान टेकरी मंदिर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। यहाँ मुख्य गेट से लेकर मंदिर परिसर तक पुलिस बल तैनात रहा, ताकि कोई भी अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। इसके अलावा शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर भी पुलिस पेट्रोलिंग करती नजर आई। वैलेंटाइन डे के विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सुबह से ही मोर्चेबंदी

कर ली थी।

कोचिंग सेंटरों और पार्कों में सघन निगरानी

शहर के पार्कों और कोचिंग सेंटरों के आसपास भी पुलिस की विशेष नजर रही। एबी रोड और मुख्य बाजारों में बाइक पर गुलाब के फूल लिए युवाओं की आवाजाही जमकर देखी गई। पुलिस की मोबाइल वैन लगातार शहर में भ्रमण करती रही, जिससे संदिग्ध गतिविधि करने वाले या तेज रफ्तार बाइक चलाने वाले युवाओं में हड़कंप मचा रहा। कई स्थानों पर पुलिस ने युवाओं को रोककर पूछताछ भी की और हिदायत देकर छोड़ा।

होटलों और कैफे में ढील, सुरक्षा पर उठे सवाल पुलिस की सक्रियता मंदिरों और पार्कों में तो दिखाई दी, लेकिन शहर के कैफे और होटलों पर उस तरह की निगरानी नहीं रही। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर के कई प्राइवेट कैफे और केबिन नुमा होटलों में युवाओं की भीड़ लगी रही, लेकिन पुलिस का ध्यान इन बंद कमरों की गतिविधियों की तरफ कम रहा। लोगों ने मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों के साथ-साथ इन निजी प्रतिष्ठानों पर भी नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाना चाहिए। कुल मिलाकर, गुना में वैलेंटाइन डे पुलिस की साये में शांतिपूर्ण तरीके से गुजरा। पुलिस की मौजूदगी ने जहां हुड़दंग पर लगाम लगाई, वहीं युवाओं ने भी सावधानी बरतते हुए इस दिन को मनाया।

राजगढ़ में प्रशासन ने जमीन से हटाया अतिक्रमण

राजगढ़ . गत दिवस प्रशासन की टीम ने संकट मोचन बड़ली पहुंचकर सरकारी जमीन पर किए जा रहे कब्जे के प्रयास को विफल कर दिया। दोपहर में तहसीलदार अनिल शर्मा के नेतृत्व में नगर पालिका एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से शासकीय भूमि पर जमा किए गए पत्थरों से अवैध रूप से चिन्हित की गई जमीन से अतिक्रमण हटाया। उल्लेखनीय है कि संकट मोचन बड़ली क्षेत्र, शहर का तेजी से विकसित होता इलाका बन गया है। ऐसे में यहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर अज्ञात लोगों द्वारा पत्थर जमा कर अवैध प्लॉट काटने का प्रयास किया जा रहा था। सूचना मिलने पर कलेक्टर और एसडीएम ने राजस्व एवं नगर पालिका को मौके का निरीक्षण कर अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश दिए थे।

|| संपादकीय ||

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

एआई की नकारात्मकता से निपटने हेतु भारत की अभिनव पहल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को लेकर समूचे संसार में तकनीकी क्रान्ति का शंखनाद हो चुका है जिसमें मानवीय क्षमताओं को चुनौती देने की सामर्थ विकसित की गई है। साइबर युग में एआई को एक बेहद उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। भारत ने इसे एक अवसर के रूप में स्वीकार करके विश्वस्तर पर अग्रणीय बनने की पहल शुरू कर दी है। देश के नेतृत्व ने जी-20 के बाद पुनः अपनी धरती पर संसार को एकत्रित करके मेजबानी का सम्मानित स्थान प्राप्त कर लिया है। नई दिल्ली के भारत मण्डपम् में 16 फरवरी से 20 फरवरी तक आयोजित हो रहे एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को एक बडी सफलता माना जा रहा है।

समावेशी और प्रभावशाली एआई के द्वारा संसार का भविष्य तय करने के लिए इस समिट को मील के पत्थर के रूप में चिन्हित किया गया है जिसमें 20 देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति अपनी भागीदारी दर्ज करेंगे। आयोजन में आने हेतु भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, बोलिविया के उपराष्ट्रपति एडमंड लारा मोंटानो, ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेय प्लेंकोविच, एस्टोनिया के अलार कारिस, फ़िनलैंड के प्रधानमंत्री पेट्टेरी ऑरपो, फ़्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यिरियाकोस मित्सोटाकिस, गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव, कज़ाख़स्तान के प्रधानमंत्री ओल्झास बेक्टेनोव, लिकटेंस्टाइन के प्रिंस एलोइस, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्सांदर वुचिच, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी, स्पेन के राष्ट्रपति पेद्रो सांचेज़ पेरेज़, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबास्टियन पिल्ले, स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गी पारमेलिन, नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ़, यूएई के शेख ख़ालिद बिन मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाहयान तथा अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके अलावा 45 से ज़्यादा देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचेंगे। इस श्रंखला का शुभारम्भ सन् 2023 में एआई सेफ्टी समिट के रूप में ब्लेचली पार्क यूके से हुआ था जिसके अगले वर्ष दक्षिण कोरिया में एआई सोल समिट हुई और फिर सन् 2025 में फ़्रांस की राजधानी पेरिस में एआई एक्शन समिट आयोजित की गई। नई दिल्ली में होने वाली समिट का नाम एआई इम्पैक्ट समिट रखा गया है। इस चौथा समिट को पीपल, प्लैनेट तथा प्रोग्रेस आधार पर संचालित करने की व्यवस्था निर्धारित है। मानव के द्वारा निर्मित की जाने वाली यह तकनीय अब कम समय में उससे भी ज्यादा कार्य करने के लिए तैयार है।

इस सकारात्मक अनुसंधान को कलुषित मानसिकता वाली डीप स्टेट ने अपने लिए संसार पर राज्य करने का हथियार बना लिया है। विकृतियां परोसने, विध्वंसात्मक षडयंत्रों को धरातल पर उतारने तथा धातक नीतियों को क्रियान्वित की दिशा में अग्रसर हो रहे सक्षम राक्षसों ने स्वार्थपूर्ति, वर्चस्व स्थापना और तानाशाही करने हेतु एक व्यापक कार्य योजना बना रखी है। संसार के लगभग सभी देशों में डीप स्टेट ने अपने स्लीपर सेल बना रखे हैं जिन्हें आवश्यकतानुसार सक्रिय करके लक्ष्य भेदन के प्रयास किये जाते हैं। अनेक देशों का सत्ता परिवर्तन, आन्तरिक कलह, आतंकवादी गतिविधियां, हिंसक प्रहार जैसे उदाहरण निरंतर सामने आ रहे हैं। इन सबके पीछे केवल और केवल डीप स्टेट ही है। यह गुप्त संगठन संसार के सभी देशों में मौजूद लालची प्रवृति वाले राष्ट्रद्रोही मीर जाफरों को चिन्हित करता हैं, उन्हें सुखद भविष्य का सब्जबाग दिखाता हैं और फिर भौतिक संसाधनों सहित आर्थिक लाभ की तराजू पर तौलकर अपना गुलाम बना लेता हैं। यही मीरजाफर है जो अपने ही राष्ट्र को किस्तों में कत्ल करते हुए बेशर्मी के ठहाके लगाते हैं। इनमें राजनेताओं, अधिकारियों तथा सम्पन्न लोगों की एक बडी संख्या मौजूद है।

डीप स्टेट अपने स्लीपर सेल को उनकी प्रतिभा के अनुरूप एआई में पारंगत करके तकनीकी माध्यम से अशान्ति फैलाने, आकाओं के हित साधने तथा स्वार्थपूर्ति के लक्ष्य भेदन करने हेतु तैयार कर रहा है। ऐसे में चिन्ता के बादलों तले आशंकित संसार के माथे पर उभरने वाली रेखायें निरंतर गहरा रहीं हैं।एआई की विगत तीन समिट के बाद अपेक्षाकृत परिणामों की बेहद कमी दृष्टिगोचर हुई है किन्तु भारत में आयोजित इस चौथी समिट को लेकर समूचा संसार आशावान है। दुनिया भर में एआई के दो स्वरूपों की व्यापक चर्चा हो रही है। कल्याणकारी सकारात्मक स्वरूप और विध्यवंसकारी नकारात्मक स्वरूप में बटी प्रतिभायें अपने ज्ञान, अनुसंधान और शोधों को निरंतर गति दे रहीं हैं। साइबर अपराधों में बढोत्तरी, व्यवस्था में सेंध और इन्टरनेट की तरंगीय क्षमता से विस्फोट जैसी स्थितियां नकारात्मक स्वरूप तेजी से विकसित करने में लगा है जबकि सकारात्मक स्वरूप विकास के पथ पर तेजी से कुलाचें भर रहा है। वास्तविकता यह है कि मानसिक क्षमताओं को तिलांजलि देकर मशीनी निर्भरता की ओर बढ रहे संसार को चन्द लोगों ने गुलाम बना लिया है। मोबाइल फोबिया, आनलाइन गोमिंग और डिजिटल क्राइम जैसी अनेक विधायें तेजी से फैल रहीं है।

इस दिशा में एआई की नकारात्मकता से निपटने हेतु भारत की अभिनव पहल की सर्वत्र सराहना हो रही है जिसे आम आवाम को समय रहते स्वीकारना चाहिए अन्यथा चन्द लोगों के हाथों तक सीमित इस तकनीक के नकारात्मक स्वरूप का दावानल समूची दुनिया को गुलामी के नये युग में पहुंचा देगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

आखिर सेवा तीर्थ से उपजते सियासी सवालों के जवाब कब तक मिलेंगे?

> पीएम नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ के उद्घाटन के बाद महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके प्रमुख फैसले में पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता से जान बचाई जा सके।

कहते हैं कि शब्द ब्रह्म है और हर शब्द अपने मंत्रमय भावमय अस्तित्व से आकार ग्रहण करते हुए देर-सबेर साकार होता है। इस दृष्टिकोण से दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नाम परिवर्तन' द्वारा जनमानस की सोच में बदलाव की जो मुहिम चलाई है, वह सुसंस्कृत भारत के निमित्त 'नाम/विचार परिवर्तन यात्रा' अनवरत रूप से जारी है। इसी कड़ी में हमारा 'गवर्नमेंट ऑफ भारत' अपने 'लोककल्याण मार्ग' (सेवन रेस कोर्स) व 'कर्तव्य पथ' (राजपथ) होते हुए अब 'सेवा तीर्थ' (पीएमओ) तक के अपने वैचारिक सफर को पूरा कर चुका है।

पहले नया संसद भवन और अब कर्तव्य भवन 1 और 2 इसकी बानगी भर हैं जबकि अन्य बदलाव भी प्रक्रियाधीन हैं और नाम-भवन परिवर्तन द्वारा, भाव परिवर्तन यात्रा गतिमान है। वास्तव में, यह नया बदलाव नया भारत यानी गवर्नमेंट ऑफ भारत (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया) के मार्फ़त लिए हुए फैसलों में सिर्फ 'मिल का पत्थर' भर है, और विगत लगभग एक दशक में हमलोग ऐसे ही कुछेक महत्वपूर्ण मिल के पत्थरों को पार करते हुए इस अहम मुकाम तक चुके हैं।

देखा जाए तो अमृत भारत और विकसित भारत के दृष्टिगत ये नाम, विचार व भवन बदलाव यात्रा गतिमान है, जिसके नीति आयोग (योजना आयोग) जैसे अहम सियासी व प्रशासनिक मायने हैं। लिहाजा, विपक्ष इस आधुनातन सोच-समझ की आलोचना अपने तरीके से कर रहा है, लेकिन यहां हम मीडिया यानी चौथे स्तम्भ के नाते इस अहम निर्णय से जुड़े जनपक्ष को लेकर कुछ सवाल उठाएंगे और जवाब भी मिले, इसकी प्रतीक्षा करेंगे।

यह ठीक है कि प्रधानमंत्री कार्यालय का पता औपनिवेशिक दौर की साउथ ब्लॉक इमारत से बदलकर अब सेवा तीर्थ परिसर हो गया है। प्रधानमंत्री ने अपने नए ऑफिस से महिलाओं, किसानों और युवाओं से जुड़े कई अहम फैसले भी लिए। इससे मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, 'सेवा परमो धर्म की भावना ही नए सेवा तीर्थ परिसर की आत्मा है। यह केवल भवन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के संकल्प का प्रतीक है। आज का संकल्प और परिश्रम ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। चूंकि शासन का केंद्र अब नागरिक हैं। इस भवन में लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से होना चाहिए।'

इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा कि 'आजादी के बाद नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतों से देश के लिए नीतियां बनीं, कई निर्णय हुए। यह भी सच है कि ये पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।'

यदि उनके नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ जैसे लोकतांत्रिक तीर्थ के उद्घाटन के मौके पर यह कहकर बौद्धिक हलचल मचा दी है कि 'पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।'

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुलामी के किन-किन प्रतीकों को बदलेंगे और कब तक बदलेंगे? और क्या इसकी कोई समय सारणी तय हुई है या फिर इनमें भी वह ईसाइयों द्वारा निर्मित भवन को पहले और मुस्लिम शासकों द्वारा निर्मित भवन को बाद में बदलेंगे? क्योंकि बहुमत प्राप्ति के दृष्टिगत सियासत भी जरूरी है और गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति भी! क्योंकि भारत तो इस्लामिक आक्रमणकारियों और ईसाई कारोबारियों दोनों का 800 वर्षों तक गुलाम रहा है।

वहीं खास बात तो यह कि देश को गुलाम बनाए रखने का बौद्धिक हथियार यानी फूट डालो और शासन करो (डिवाइड एंड रूल) जैसे गुलामी मंत्र ' जाति आधारित आरक्षण' और ' धर्म आधारित अल्पसंख्यक' वाले सोच को प्रधानमंत्री कब तक बदलेंगे? या फिर हिंदुओं व मुस्लिमों में कभी फूट डालने और कभी एक जुट करने के ये हथियार अकसर नया धार पाते रहेंगे?

साथ ही, मुगलिया दस्ता के प्रतीक और मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित उस 'लालकिला' परिसर को कब तक बदलेंगे, जहां पर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री हर वर्ष राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फ़हराते हैं और राष्ट्रीय हित व जनहित से जुड़े अपने महत्वपूर्ण सम्बोधन देते आये हैं। जी हां, देशवासी पूरी राम कथा जानना चाहते हैं! क्योंकि कुछ तो उनके शागिर्दों के सियासी हथियार तक बन चुके हैं।

यह ठीक है कि राम मंदिर निर्माण (कथित बाबरी मस्जिद के भग्नावशेष पर) करके और नया संसद भवन व कर्तव्य भवन 1 और 2 (ब्रिटिश शासकों द्वारा निर्मित भवनों के बगल में या उनकी जगह पर) का निर्माण करके, जिसमें सेवा तीर्थ भी शामिल है, प्रधानमंत्री ने यादगार शुरुआत कर दी है, लेकिन आगे कहां तक, कब तक यह प्रक्रिया जारी रहेगी, लोगों में जानने की उत्सुकता है, क्योंकि गुलामी की दासता के ढेर से प्रतीक अब भी हमारे शासन प्रतिष्ठान और जनमानस को मुंह चिढ़ाते प्रतीत हो रहे हैं, जिन्हें अविलंब बदला जाना चाहिए।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पहले अपने नए पीएम ऑफिस 'सेवा तीर्थ' की शुरुआत की। फिर शाम को कर्तव्य भवन 1 और 2 का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर और डॉ. जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधान सचिव पी. के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति भी रही, जिनकी अहम मौजूदगी में प्रधानमंत्री ने इन नवनिर्मित परिसरों का लोकार्पण किया।

अब यहां पर सरकार के कई बड़े दफ्तर और मंत्रालय एक ही जगह पर होंगे। चूंकि पहले ये दफ्तर अलग-अलग जगहों पर, पुराने भवनों में चलते थे। इसलिए काम में देरी होती थी, क्योंकि अफसरों को एक-दूसरे से मिलने में परेशानी होती थी और आम लोगों को भी अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब सेवा तीर्थ परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक साथ काम करेंगे। यानी देश के बड़े फैसलों से जुड़े दफ्तर एक ही जगह होगे, जिससे फैसले जल्दी होंगे और कामकाज में तालमेल बेहतर रहेगा।

यही नहीं, चूंकि कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई अहम मंत्रालयो को जगह दी गई है। इनमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कानून, सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, रसायन एवं उर्वरक, जनजातीय कार्य और कॉरपोरेट कार्य जैसे मंत्रालय शामिल है। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ के उद्घाटन के बाद महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके प्रमुख फैसले में पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता से जान बचाई जा सके। और लखपति दीदी लक्ष्य के अंतर्गत महिलाओं के लिए लक्ष्य को दोगुना कर 6 करोड़ करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना शामिल है।

वहीं अन्य निर्णय के तहत कृषि अवसंरचना निधि को दोगुना बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करना, किसानों को मजबूत समर्थन देना शामिल है। जबकि स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी, युवाओं और उद्यमियों के लिए नई संभावनाएँ खोली जाएंगी। इस प्रकार ये फैसले सेवा तीर्थ के 'नागरिक देवो भव' मंत्र को साकार करते हैं, जो 12-13 फरवरी 2026 को लिए गए।

हालांकि कुछ आलोचक लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि सेवा तीर्थ द्वारा अब आरक्षण जैसे मेवा का प्रसाद मुंह देखकर बांटा जाएगा और कथित सामाजिक न्याय आधारित हिंदुत्व के जयकारे चटखारे पूर्वक लगते रहें, इसके मुकम्मल इंतजाम किए जाएंगे। इस प्रकार यह एक नया राजनीतिक-सामाजिक तीर्थ बना दिया जाएगा। शायद भारत इसी कोशिश से विश्व गुरु बन जाये।

- कमलेश। पांडेय

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बांग्ला जनादेश के मायने

बांग्लादेश ने तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को प्रचंड जनादेश दिया है। बेशक यह अभूतपूर्व, अप्रत्याशित और ऐतिहासिक जनादेश है। संसद की कुल 300 सीटों में से 212 सीटों पर बीएनपी के उम्मीदवार जीते हैं। जिस शख्स ने निर्वासन के 17 लंबे साल लंदन में काटे हों, अचानक वक्त और परिस्थितियां बदल गईं और आज उसका प्रधानमंत्री बनना महज औपचारिकता भर है। बांग्ला लोगों ने एक लोकतांत्रिक, समावेशी, प्रगतिशील, महिला सशक्तिकरण वाले और विकासशील देश के लिए जनादेश दिया है, लिहाजा तारिक रहमान की यही सबसे गंभीर चुनौती है। जिन इस्लामवादी ताकतों ने ऐलान किया था कि अब बांग्लादेश एक मुस्लिम देश होगा और अल्लाह के कानून, यानी शरिया, से देश चलेगा। 'कठपुतली' यूनुस इन्हीं कट्टरपंथियों की हुकूमत का हिमायती था। जनता ने उन जेहादी किस्म की कट्टरपंथी और भारत-हिंदू-विरोधी ताकतों को लगभग खारिज कर दिया है। जमात-ए-इस्लामी के 11 दलों के गठबंधन को 74 सीटें ही नसीब हुई हैं। पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज का 'इस्लामिक एजेंडा' और 'मुस्लिम ब्रदरहुड' धरे-धराए रह गए हैं, क्योंकि बीएनपी भी पाकिस्तान को फासले पर रखने की पक्षधर रही है। यह जनादेश छात्रों, युवाओं की बगावत की आड़ में कट्टरपंथी ताकतों के आंदोलन के 18 माह बाद सामने आया है। तब 'जुलाई चार्टर' तय किया गया था और शेख हसीना को देश छोड़ कर भागने को विवश किया गया था, इसके पक्ष में भी 70 फीसदी से अधिक लोगों ने मतदान किया है। तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार 'नया बांग्लादेश' बनाएगी और भारत उस देश के साथ खड़ा रहना चाहता है, प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को बधाई देते हुए यह अपेक्षा की है और भरोसा दिया है। यह गौरतलब है कि करीब 20 साल बाद बीएनपी बांग्लादेश की सत्ता में लौटी है।

यकीनन यह चुनाव आसान नहीं था। मतदान के दौरान 14 इलाकों में जमकर हिंसा हुई, लाठियां चलीं, बूथ पर बम धमाके किए गए, बूथ छापे गए, आधी रात में फर्जी मतदान के वीडियो ने सब कुछ बेनकाब कर दिया। इसके अलावा, अल्पसंख्यक हिंदुओं पर 4000 से अधिक हमले किए गए, उनके मंदिर, देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित की गईं, फिर भी एक करोड़ से अधिक हिंदुओं ने, लोकतंत्र और बंगाली देश की खातिर, मतदान किए। उन्होंने 'अवामी लीग' पर पाबंदी के बावजूद बीएनपी को वोट दिए और 'मुस्लिम देश' बनाने की साजिशों की बाजी ही पलट दी। भारी संख्या में महिलाओं ने भी बीएनपी को जनादेश दिया, जो पार्टी सत्ता में रही है और कमोबेश उनकी सोच संकीर्ण और जेहादी नहीं है। बहरहाल खूंरेजी, कत्लेआम, लूटमार, ढहती अर्थव्यवस्था का वह दौर खत्म हो रहा है। अब तारिक रहमान की बीएनपी को बंपर बहुमत हासिल हुआ है, लिहाजा वह ताकतवर नेता के तौर पर उभरे हैं। वह दो बार प्रधानमंत्री रहीं खालिदा जिया के बेटे हैं। उनके हालिया इंतकाल से भी बीएनपी के पक्ष में सहानुभूति वोट आए होंगे! तारिक के पिता जियाउर्रहमान देश के राष्ट्रपति थे। चुनौती और प्राथमिकता अब यह होनी चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते किस तरह मधुर, सकारात्मक और सहयोगपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा और अहम कारोबारी साझेदार है। हमारा चिंतित सरोकार है कि हिंदुओं और उनके मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। कट्टरपंथी ताकतों पर नियंत्रण रखा जाए, सडक़-रेल-जलमार्ग की परियोजनाएं, जिनमें भारत का मोटा निवेश है, फिलहाल दांव पर हैं।

जनरल नॉलेज

इस देश में उड़ती है सबसे छोटी फ्लाइट, जानें इतने कम समय के लिए क्यों भरी जाती है उड़ान

जब भी हम हवाई यात्रा के बारे में सोचते हैं तो हम देशों या फिर महाद्वीपों में लंबी यात्राओं की ही कल्पना करते हैं. लेकिन दुनिया में एक ऐसी जगह भी है जहां पर सबसे छोटी कमर्शियल फ्लाइट चलती है. यह जगह है स्कॉटलैंड. आइए जानते हैं कि आखिर यहां कितने समय की फ्लाइट चलती है और आखिर इसे क्यों शुरू किया गया.

सिर्फ 2.7 किलोमीटर की फ्लाइट - यह रास्ता ऑर्कनी द्वीप समूह के दो छोटे द्वीप वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे को जोड़ता है. तय की गई कुल दूरी सिर्फ 2.7 किलोमीटर की है. यह कई बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई से भी कम है. ऑफीशियली फ्लाइट का तय समय 90 सेकंड है. लेकिन जब हवा की स्थिति अच्छी होती है तो यह सफर सिर्फ 53 सेकंड में ही खत्म हो जाता है.

1967 से शुरू है यह फ्लाइट - यह फ्लाइट स्कॉटिश रीजनल एयरलाइन लोगनएयर द्वारा ऑपरेट की जाती है. इसमें एक छोटा 10 सीटर ब्रिटन नॉर्मन आइलैंडर इस्तेमाल होता है. यह एक ट्विन इंजन एयरक्राफ्ट है जो छोटे टेक ऑफ और लैंडिंग के लिए काफी अच्छा है. यह शानदार सर्विस 1967 से लगातार चल रही है. इससे यह न सिर्फ दुनिया की सबसे छोटी कमर्शियल फ्लाइट है बल्कि सबसे लंबे समय तक चलने वाले रीजनल एयर रूट में से भी एक है.

इतनी छोटी फ्लाइट की क्या जरूरत? - पहली नजर में 2 मिनट से भी कम समय की फ्लाइट ऑपरेट करना जरूरी नहीं लग सकता. लेकिन वहां रहने वाले लगभग 70 से 90 लोगों की कम्युनिटी के लिए यह सर्विस काफी जरूरी है. यह एक लाइफ लाइन की तरह काम करती है जो आइलैंड के लोगों को पड़ोसी आइलैंड और मेनलैंड पर हेल्थ केयर, एजुकेशन और एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस से जोड़ती है.

इस रूट का इस्तेमाल टीचर, स्टूडेंट और मेडिकल प्रोफेशनल रेगुलर तौर पर करते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि उनका रोजाना आईलैंड्स के बीच में आना-जाना लगा रहता है. दूर के आइलैंड कम्युनिटीज में भरोसेमंद ट्रांसपोर्ट के बिना थोड़ी दूरी भी एक बड़ी चुनौती बन सकती है. हालांकि एक फेरी सर्विस भी है लेकिन इसमें लगभग 20 से 25 मिनट लगते हैं. साथ ही खराब मौसम की वजह से इसमें रुकावट भी आती है.

क्यों नहीं बना सकते पुल - द्वीपों के बीच पुल बनाना इलाके, मौसम और कम आबादी को देखते हुए काफी महंगा होगा. 100 से कम लोगों की कम्युनिटी के लिए लागत फायदे से कहीं ज्यादा होगी. इस वजह से एयरलिंक सबसे प्रैक्टिकल और आर्थिक रूप से फायदेमंद सॉल्यूशन बना हुआ है.

टेक्नोलॉजी

सैटेलाइट इंटरनेट और फाइबर ब्रॉडबैंड में क्या होता है अंतर? जानिए दोनों कौन देता है फास्ट इंटरनेट स्पीड

आज के डिजिटल दौर में तेज इंटरनेट हर किसी की जरूरत बन चुका है. घर से काम हो, ऑनलाइन क्लास हो या फिर OTT पर मूवी देखनी हो हर जगह हाई-स्पीड कनेक्शन जरूरी है. ऐसे में अक्सर सवाल उठता है कि सैटेलाइट इंटरनेट और फाइबर ब्रॉडबैंड में क्या अंतर है और इनमें से कौन ज्यादा तेज स्पीड देता है.

कैसे काम करता है फाइबर ब्रॉडबैंड? - फाइबर ब्रॉडबैंड ऑप्टिकल फाइबर केबल के जरिए इंटरनेट पहुंचाता है. ये पतली ग्लास या प्लास्टिक फाइबर से बनी केबल होती है जिसमें डेटा प्रकाश (लाइट) के रूप में ट्रांसफर होता है. चूंकि इसमें डेटा ट्रांसमिशन बेहद तेज और स्थिर होता है, इसलिए फाइबर कनेक्शन आमतौर पर 100 Mbps से लेकर 1 Gbps या उससे भी ज्यादा स्पीड देने में सक्षम होता है. शहरों और कस्बों में ज्यादातर इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर जैसे JioFiber, Airtel Xstream और BSNL फाइबर ब्रॉडबैंड की सुविधा देते हैं.

सैटेलाइट इंटरनेट क्या होता है? - सैटेलाइट इंटरनेट सीधे अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रहों के जरिए काम करता है. इसमें आपके घर पर लगी डिश एंटीना सिग्नल को सैटेलाइट तक भेजती और प्राप्त करती है. जहां केबल बिछाना मुश्किल होता है जैसे पहाड़ी या दूरदराज के इलाके, वहां सैटेलाइट इंटरनेट बेहतर विकल्प माना जाता है.

भारत में इस क्षेत्र में कुछ कंपनियां सैटेलाइट आधारित सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर Starlink जैसी कंपनियां पहले से सेवाएं दे रही हैं.

स्पीड और लेटेंसी में कौन आगे? - अगर बात केवल स्पीड की करें तो फाइबर ब्रॉडबैंड आमतौर पर ज्यादा तेज और स्थिर कनेक्शन देता है. इसकी लेटेंसी (डेटा जाने-आने में लगने वाला समय) कम होती है जिससे ऑनलाइन गेमिंग और वीडियो कॉलिंग बेहतर होती है.

सैटेलाइट इंटरनेट भी अच्छी स्पीड दे सकता है लेकिन सिग्नल को अंतरिक्ष तक जाकर वापस आने में समय लगता है जिससे लेटेंसी थोड़ी ज्यादा हो सकती है. हालांकि नई तकनीक के साथ इसमें सुधार हो रहा है.

संक्षिप्त समाचार

उदयपुरा जनपद के पिपलिया केवट में संकल्प से समाधान शिविर आयोजित

रायसेन (निप्र)। जिले में चलाए जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के तहत 12 फरवरी को उदयपुरा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पिपलिया केवट में शिविर आयोजित किया गया। इस संकल्प से समाधान शिविर में अभी तक 78 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष प्रकरणों में आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण हेतु निर्देश दिए गए हैं। इस संकल्प से समाधान शिविर में सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बॉथम, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जनपद स्तरीय अधिकारी और ग्रामीणजन उपस्थित हैं।

शासकीय योजना से मिली स्कूटी बनी नंदनी लोधी की शिक्षा में सहायक

विदिशा (निप्र)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शेरपुरा की छात्रा नंदनी लोधी को वर्ष 2024-2025 सत्र में राज्य शासन की स्कूटी योजना के तहत स्कूटी प्रदान की गई। स्कूटी मिलने से नंदनी की पढ़ाई में काफी सुविधा हुई है। नंदनी लोधी ने बताया कि पहले आने-जाने में काफी समय और परेशानी का सामना करना पड़ता था। परिवहन की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पढ़ाई प्रभावित होती थी। शासन द्वारा स्कूटी मिलने के बाद अब वह आसानी से समय पर कॉलेज पहुँच पा रही है। उन्होंने बताया कि स्कूटी मिलने से न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि पढ़ाई में भी निरंतरता बनी हुई है। नंदनी एक साधारण एवं संघर्षशील परिवार से आती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके परिवार ने हमेशा उनकी शिक्षा को प्राथमिकता दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस योजना से उन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखने में नया आत्मविश्वास और संबल मिला है। इस योजना से छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और शिक्षा जारी रखने में काफी मदद मिल रही है। नंदनी की इस उपलब्धि से विद्यालय एवं क्षेत्र की अन्य छात्राओं को भी प्रेरणा मिल रही है कि वे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

आयुष्मान भारत उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षिकों को किया प्रशिक्षित

बैतूल (निप्र)। आयुष्मान भारत उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत विगत दिनों होटल आईसीइन बैतूल में विकासखंड आमला एवं बैतूल की कक्षा 6वीं से 8वीं तक की कक्षाओं से संबंधित शालाओं से दो शिक्षकों एक पुरूष एक महिला को हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर बनाए जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि प्रशिक्षित हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर आरोग्य दूत के द्वारा शाला के छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल संबंधी शिक्षा मित्रवत वातावरण में प्रदान किया जाना है, ताकि छात्र-छात्राऐं बिना किसी डर के अपनी समस्या को रख सके एवं छात्र-छात्राएं सही जानकारी प्राप्त कर अपने जीवन चर्या में आवश्यक परिवर्तन ला सके। प्रशिक्षण में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ विनोद शाक्य, आरबीएसके मैनेजर श्री योगेन्द्र एवं जनप्रतिनिधि जनमंगल संस्थान श्री कपिल चौरसिया उपस्थित रहे।

आरडीसी दिल्ली कैम्प से वापस आए कैडेट्स का किया भव्य स्वागत

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कोलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवंती हाक्सर गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज बैतूल में 12 फरवरी को आरडीसी कैम्प से लौट कर आए कैडेट्स का भव्य स्वागत किया गया। एनसीसी अधिकारी बालिका विंग डॉ.रीतू साहू ने बताया कि आरडीसी कैम्प के एक प्लाटून बालक और बालिका में पूरे देश से केवल 148 कैडेट्स का चयन किया जाता है, जिसमें एनसीसी बालिका विंग में किरण धुर्वे तथा बालक विंग में दो कैडेट्स लक्ष्मण उईके और मनीष गौडगाम का चयन हुआ, जो महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय हैं। कैडेट्स द्वारा आरडीसी गणतंत्र दिवस परेड दिल्ली के कर्तव्य पथ पर मार्च कर महाविद्यालय और प्रदेश का मान बढ़ाया।

कमिश्नर पहुंचे किसानों के बीच, टेल क्षेत्र में नहरों से होने वाली सिंचाई एवं नरवाई प्रबंधन का लिया फीडबैक

मूंग के विकल्प के रूप में अन्य फसल लगाने एवं नरवाई का उचित प्रबंधन करने के लिए किसानों को दी समझाइश नहरो को पूरे फ्लों से चलाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी सिवनी मालवा के ग्राम रतवाडा पहुंचे, नहर का पानी सिंचाई के लिए किसानों के खेतों तक पहुंच रहा है कि नहीं तथा किसान नरवाई का किस तरह प्रबंधन कर रहे हैं इसका फीडबैक लिया। कमिश्नर ने मौके पर ही सभी किसानों से मूंग फसल के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और किसानों को समझाइश दी कि वह मूंग की फसल लगाने की बजाय मूंग के विकल्प के रूप में अन्य फसल को लगाने के लिए प्रेरित हो। ग्राम रतवाडा में कृषकों ने कमिश्नर को अवगत कराया की मूंग की फसल कम अवधि की है जो किसानों के लिए फायदेमंद है, वहीं अन्य फसल या उड़द की फसल का क्राफ्ट टाइम 60 से 70 दिनों का है इसलिए वे मूंग की फसल लगाते हैं। कमिश्नर ने किसानों को समझाइश दी कि मूंग की फसल लगाने से पहले किसान अपने खेतों को साफ करने एवं नरवाई को हटाने के लिए अत्यधिक मात्रा में सफाया का उपयोग करते हैं जो की जमीन के लिए हानिकारक है इससे जमीन के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इसे नहीं रोका गया तो आने वाले समय में जमीन अनु उपजाऊ हो जाएगी और मूंग की फसल में अत्यधिक कीटनाशकों का प्रयोग होने के कारण मूंग हानिकारक हो जाता है। किसानों ने कहा कि यदि उन्हें शासन से बेहतर विकल्प मिले और कम समय में लगने वाली फसल का विकल्प मिले तथा नहर से पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के लिए पानी मिले तो वे सभी मूंग की बजाय दूसरी फसल लगाने के लिए तैयार हैं। कमिश्नर ने तवा की मुख्य नहरों से खेतों की सिंचाई के लिए मिलने वाले पानी की स्थिति की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि बाकी जगह तो नहर से पानी मिल रहा है लेकिन टेल एरिया में अभी तक नहर से पानी नहीं पहुंच पाया है। नहर का फ्लो कम होने के कारण टेल तक पानी पहुंचने में अत्यधिक समय लगता है। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी किसानों की समस्या को गंभीरता पूर्वक सुनकर जल संसाधन विभाग के ईई श्री अंकित श्रॉफ एवं श्रीमती राजश्री कटारे को निर्देश दिए कि वह नहर को पूरे फ्लो से चलाएं। नहर का पानी टेल एरिया तक पहुंचे और सभी किसानों को वो चाहे वह नीचे वाले किसान हो चाहे टेल एरिया के किसान हो सभी को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी मिले।

किसान मूंग की बजाय अन्य फसल लगाए ताकि नहरों की मरम्मत का समय मिल सके : कमिश्नर श्री तिवारी ने किसानों को समझाइश दी कि वह मूंग की बजाय कोई अन्य कम पानी वाली फसल लगाए ताकि इस अवधि में मिलने वाले समय से नहर की मरम्मत एवं साफ सफाई तथा रखरखाव का कार्य किया जा सके। कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान में नहर की मरम्मत एवं साफ सफाई के कार्य के लिए समय नहीं मिल पा रहा है क्योंकि मूंग की फसल मैं सिंचाई के लिए नहर से पानी छोड़ा जाता है।

नरवाई के उचित प्रबंधन के लिए सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर यंत्र का उपयोग करें

कमिश्नर ने किसानों को नरवाई न जलाने की सलाह दी और कहा कि नरवाई जलाने में नर्मदापुरम जिला प्रदेश में टॉप पर है जो कि हम सब के लिए चिंता जनक स्थित है। नरवाई जलाने से जमीन के पोषक तत्व नष्ट हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि वह नरवाई का उचित प्रबंधन करने के लिए एवं नरवाई को भूसे में परिवर्तित करने के लिए सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर यंत्र का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि 4 से 5 सक्षम किसान सुपर सीडर या हैप्पी सीडर यंत्र का क्रय करे और अपने खेतों से नरवाई का उचित प्रबंधन करें साथ ही अन्य किसानों को भी यंत्र दें ताकि वे भी नरवाई का उचित प्रबंधन कर सके। उन्होंने कहा कि शासन कृषि यंत्रों पर अनुदान भी दे रही है। अत: किसान अनुदान का लाभ उठाते हुए यंत्रों की खरीदी कर उसका उपयोग नरवाई प्रबंधन में करें। रतवाडा के कृषक श्री हुकम सिंह, पूर्व सरपंच श्री सुप्यार सिंह एवं शैलेंद्र सिंह ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी की दिक्कत होती है, अभी ट्यूबवेल से 60% तक सिंचाई की गई है। उन्होंने कहा कि यदि कम अवधि की फसल का विकल्प मिले तो वे सभी मूंग की फसल की बजाए कोई अन्य फसल लगाना पसंद करेंगे।

ग्राम छापर में जल अर्पण कार्यक्रम का हुआ आयोजन, जल संरक्षण का दिया गया संदेश

सीहोर (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकासखंड आष्टा के ग्राम छापर में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा एवं स्कूल रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही जल के महत्व एवं उसके सतत उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक मंगलेश दुबे द्वारा ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। ग्राम छापर में संचालित नल-जल योजना के सफल संचालन का भी उल्लेख किया गया। योजना के माध्यम से लगभग 250 परिवारों को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध हो रहा है तथा सभी परिवारों द्वारा नियमित रूप से जल कर का भुगतान किया जा रहा है, जो योजना की सतत संचालन व्यवस्था को मजबूत बनाता है। कार्यक्रम के दौरान जल कर का नियमित भुगतान करने वाले परिवारों तथा पंप ऑपरेटर श्री दिनेश को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री राम बजरंग मंडल की टीम द्वारा 'पानी बचाओ' विषय पर प्रेरणादायक गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति भावनात्मक रूप से जागरूक किया। वहीं एफटीके किट के माध्यम से ग्राम के हैंडपंपों के पानी का जल परीक्षण भी किया गया, ताकि पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम में सरपंच गीताबाई, पीएचई विभाग से सहायक यंत्री जिज्ञासा दीक्षित, ब्लॉक समन्वयक मंगलेश दुबे, उपयंत्री राजेंद्र वर्मा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

औचक निरीक्षण में सख्त दिखे कलेक्टर, बीज गुणवत्ता व भंडारण व्यवस्था का लिया जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज विदिशा जिला मुख्यालय स्थित राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम के बीज प्रक्रिया केन्द्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीज प्रसंस्करण , भंडारण, गुणवत्ता परीक्षण एवं अभिलेख संधारण की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने केन्द्र में उपलब्ध विभिन्न फसलों के प्रमाणित बीजों के स्टॉक रजिस्टर, लॉट नंबर, टैगिंग प्रणाली एवं नमी नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को वितरित किए जाने वाले बीजों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बीजों की शुद्धता, अंकुरण क्षमता एवं मानक अनुरूप पैकेजिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदामों की स्वच्छता, वेंटिलेशन व्यवस्था तथा कीट नियंत्रण उपायों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भंडारित बीजों को

नमी, फफूंद एवं कीट संक्रमण से सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि बीज की गुणवत्ता सीधे किसानों की उपज से जुड़ी होती है। उन्होंने नियमित अंतराल पर फ्यूमिगेशन एवं तकनीकी परीक्षण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीज प्रसंस्करण मशीनों की कार्यप्रणाली देखी तथा कर्मचारियों से संचालन संबंधी जानकारी ली। उन्होंने मशीनों के समय पर रखरखाव (मेंटेनेंस) एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बीज वितरण सीजन के पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण रखने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केन्द्र में आने वाले किसानों एवं सहकारी समितियों को बीज उपलब्धता, दर एवं किस्मों की जानकारी पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने शिकायत पंजी संधारित रखने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने पर भी बल दिया।इस अवसर पर किसान कल्याण एवं कृषि विभाग के उप संचालक श्री केएस खपेड़िया, सहायक संचालक श्री महेंद्र सिंह ठाकुर तथा संबंधित विभागीय अधिकारी एवं बीज निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केन्द्र की गतिविधियों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कलेक्टर ने निःशुल्क प्रशिक्षण व रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों की सराहना की

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज पंजाब नेशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केन्द्र का भ्रमण कर यहां संचालित विभिन्न प्रशिक्षण एवं जनहित गतिविधियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान केन्द्र के प्रबंधक द्वारा संस्थान के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत की गई।प्रबंधक ने बताया कि यह प्रशिक्षण केन्द्र प्रतिवर्ष कृषकों, महिलाओं, बेरोजगार युवाओं एवं छात्रों के लिए पूर्णतः निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। मध्यप्रदेश में इस प्रकार का यह एकमात्र केन्द्र है, जहाँ कृषि एवं कृषि से जुड़े विविध आय वर्धक विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। कृषकों के लिए पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट, औषधीय पौधों की खेती, प्राकृतिक खेती तथा उन्नत कृषि तकनीकों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। केन्द्र द्वारा केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं, जिससे कई कृषक परिवारों के युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्र में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर, कृषक भ्रमण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई, मेहंदी, कुकिंग, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण, मृदा एवं जल प्रबंधन प्रशिक्षण, निःशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर तथा किसान मेले जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। औसतन प्रतिमाह लगभग 30 विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। केन्द्र की टीम गाँव-गाँव जाकर वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम भी आयोजित करती है। साथ ही कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य विभाग तथा लीड बैंक के कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग प्रदान किया जाता है। वृक्षारोपण अभियान सहित अन्य जनहित कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। पीएनबी प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक श्री अजय परिहार ने बताया कि देश के 12 राज्यों में इस प्रकार के कृषक प्रशिक्षण केन्द्र संचालित हैं, जिनमें मध्यप्रदेश का एकमात्र केन्द्र विदिशा में स्थापित है। विदिशा जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र की अनुपस्थिति के बावजूद यह केन्द्र कृषकों तक नई कृषि तकनीकों का प्रचार-प्रसार करता है तथा फसलों में लगने वाले रोगों एवं कीटों की रोकथाम के लिए प्राकृतिक एवं जैविक उपायों की जानकारी प्रदान करता है।

कमिश्नर, कलेक्टर ने टेल क्षेत्र में सिंचाई जल की उपलब्धता देखी

हरदा (निप्र)। कमिश्नर श्री के.जी. तिवारी एवं कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने गुरूवार को जिले के रातातलाई में एचबीसी मेन केनाल तथा डुमलाय बेसवा के बीच में नहर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को टेल क्षेत्र में सिंचाई जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। यहां किसानों से चर्चा करते हुए कमिश्नर ने नरवाई नहीं जलाने की समझाईश दी। उन्होने क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता की स्थिति भी किसानों से जानी। ग्राम नयापुरा में कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम (आत्मा) अंतर्गत प्राकृतिक एवं गौ आधारित खेती पर आधारित किसान संगोष्ठी में किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की। यहां उन्होने राय जैव संसाधन केन्द्र का भी अवलोकन किया तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आम का पौधा रोपा। ग्राम रातातलाई में कमिश्नर एवं कलेक्टर ने कस्टम हायरिंग सेंटर का निरीक्षण किया एवं इस केन्द्र से मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होने केन्द्र का प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने भोजपुर पहुंचकर महाशिवरात्रि पर्व तथा 'महादेव-भोजपुर महोत्सव' की तैयारियों का लिया जायजा

महाशिवरात्रि पर प्रारंभ होगा तीन दिवसीय 'महादेव-भोजपुर महोत्सव' महोत्सव के प्रथम दिवस मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री लखबीर सिंह लक्खा का भक्ति गायन होगा विशेष आकर्षण

रायसेन (निप्र)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर मप्र शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से शिव-साधना, लोकआस्था एवं कला-सौंदर्य के समन्वित उत्सव के रूप में ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय 'महादेव भोजपुर महोत्सव' का आयोजन 15 से 17 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से किया जाएगा। गुरूवार को कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा भोजपुर पहुंचकर महाशिवरात्रि पर्व और 'महादेव भोजपुर महोत्सव' की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान एएसपी श्री कमलेश कुमार भी साथ रहे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में भ्रमण कर आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने महाशिवरात्रि पर्व पर मंदिर में दर्शन हेतु और महादेव भोजपुर महोत्सव में आने वाले श्रृद्धालुओं, नागरिकों के आवगमन, निर्गमन, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित मूलभूत सुविधाओं के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम श्री चन्द्रशेखर श्रीवास्तव सहित एसडीओपी, तहसीलदार तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भोजपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर देश-विदेश में उत्तर का सोमनाथ के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। इस शिव मंदिर के गर्भगृह में स्थित 7.5 फुट लंबा और 17.8 फुट परिधि का शिवलिंग एक ही चट्टान को काटकर बनाया गया है जो आश्चर्यजनक है।

अपने अपार और जटिल सरेखण में शिवलिंग के साथ इस मंदिर को पूरब का सोमनाथ होने का गौरव प्राप्त है। परमारकालीन इस मंदिर पर प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर विशाल मेला लगता है। साथ ही संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से भोजपुर महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष आयोजित होने वाले महादेव भोजपुर महोत्सव के प्रथम दिवस 15 फरवरी को सागर के ऋषि विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत लोकगायन से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जो मंदिर प्रांगण को भक्तिरस से अनुप्राणित करेगा। इसके पश्चात सागर के उमेश नामदेव द्वारा प्रस्तुत बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य में लोकजीवन की जीवंत छवियाँ साकार होंगी। संध्या का विशेष आकर्षण मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री लखबीर सिंह लक्खा का भक्ति गायन होगा, जो श्रद्धालुओं को शिवभक्ति में लीन कर देगा। महोत्सव के द्वितीय दिवस 16 फरवरी को भोपाल की शीला त्रिपाठी द्वारा लोकगायन की प्रस्तुति दी जाएगी।

इसके उपरांत मुंबई की भावना शाह एवं साथी कलाकारों द्वारा शिव महिमा पर आधारित नृत्य-नाटिका का मंचन किया जाएगा, जिसमें नृत्य, भाव और संगीत का प्रभावशाली समन्वय दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर देगा। दूसरे दिन का समापन मुंबई की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर की मधुर सुगम संगीत प्रस्तुति से होगा। महोत्सव के अंतिम दिवस 17 फरवरी को भोपाल के बलराम पुरोहित द्वारा लोकगायन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके पश्चात भोपाल की आकृति जैन एवं साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शिव-केंद्रित नृत्य-नाटिका वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित करेगी। समापन अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कविकृदिल्ली के अशोक चक्रधर, मुंबई के दिनेश बावरा, आगरा के प्रताप फौजदार, दिल्ली के गजेन्द्र सोलंकी, आगरा की रुचि चतुर्वेदी, मथुरा की पूनम वर्मा तथा दिल्ली की मनु वैशाली अपनी सशक्त, संवेदनशील एवं भावपूर्ण रचनाओं से काव्यरस की अविरल धारा प्रवाहित करेंगे।

भारत ने पाकिस्तान को आठवीं बार हराया, टी20 वर्ल्ड कप में ईशान की तबाही, फिर गेंदबाजों ने मचाया धमाल

भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है. टीम इंडिया के गेंदबाजों ने पाक टीम को 114 रनों पर ढेर कर दिया. ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया.

नई दिल्ली | भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है. टीम इंडिया के गेंदबाजों ने पाक टीम को 114 रनों पर ढेर कर दिया. कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए थे, जवाब में पाक टीम केवल 114 रन ही बना सकी. ईशान किशन ने 77 रनों की मैच विजेता पारी खेली, उसके बाद अक्षर पटेल और अन्य सभी गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया.

यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में आठवीं बार है जब भारत ने पाकिस्तान टीम को धो डाला. इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए, लेकिन ईशान किशन ने तबाही मचाते हुए तूफानी अर्धशतक लगाया. उन्होंने 40 गेंद में 77 रनों की पारी खेली. वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन, वहीं अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह और शिवम दुबे ने तेजतर्रार अंदाज में बैटिंग करते हुए भारत को 170 के पार पहुंचाया.

पाकिस्तान का निकला दम

भारत की कसी हुई गेंदबाजी के आगे पाक बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए. पहले ही ओवर में साहिबजादा फरहान को हार्दिक पांडया ने चलता किया.

उसके बाद अगले ही ओवर में जसप्रीत बुमराह पाकिस्तानी बल्लेबाजी पर कहर बनकर टूटे. बुमराह ने एक ही ओवर में सैम अयूब और सलमान आगा को आउट करके पाक बल्लेबाजी की कमर तोड़कर रख दी.

बाबर आजम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो टी20 टीम में जगह के हकदार नहीं हैं. बाबर ने सिर्फ 5 रन बनाए. उस्मान खान ने 44 रन बनाए, वहीं शाहीन अफरीदी 23 रन बनाकर नाबाद लौटे. पाकिस्तान टीम का इतना बुरा हाल रहा कि उस्मान और शाहीन के अलावा पाक टीम का कोई भी बल्लेबाज 20 रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया.

भारत ने पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी | तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी की शानदार गेंदबाजी से भारत ने रविवार को यहां वर्षा से प्रभावित पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) पद्धति के तहत 21 रन से हरा दिया। अरुंधति (22 रन पर चार विकेट), रेणुका सिंह (14 रन पर दो विकेट) और श्री चरणी (14 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम 18 ओवर में 133 रन पर ढेर हो गई। भारत ने इसके जवाब में जब उप कप्तान स्मृति मंधाना (17 गेंद में नाबाद 16) और जेमिमा रोड्रिग्स (तीन गेंद में नाबाद नौ) की पारियों से 5.1 ओवर में 50 रन बनाए थे जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया।

भारत को इसके बाद विजेता घोषित किया गया क्योंकि 5.1 ओवर के बाद डीएलएस के तहत बराबरी का स्कोर 29 रन था। भारत ने एकमात्र विकेट शेफाली वर्मा (11 गेंद में 21 रन) के रूप में गंवाया जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की नई कप्तान सोफी मोलिन्यु की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2.2 ओवर में 22 रन बनाकर तेज शुरुआती की लेकिन बेथ मूनी (05) ने रेणुका की गेंद को हवा में लहराकर कवर्स में स्मृति मंधाना को कैच थमा दिया। दूसरी सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (10 गेंद में 18 रन) भी इसके बाद क्रांति गौड़ (39 रन पर एक विकेट) की बाहर की ओर जाती गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटकीपर ऋचा घोष को कैच दे बैठीं।

अमेरिका ने नामीबिया को 31 रन से हराया

चेन्नई, एजेंसी | अमेरिका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां नामीबिया को 31 रन से हराया।

अमेरिका ने चार विकेट पर 199 रन बनाने के बाद नामीबिया की पारी को छह विकेट पर 168 रन पर रोक दिया।

नामीबिया के लिए सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप ने सबसे ज्यादा 58 रन बनाये।

अमेरिका के लिए शैडली वैन शाल्कविक ने दो विकेट चटकाये।

वेस्टइंडीज ने नेपाल को नौ विकेट से हराया

मुंबई, एजेंसी | वेस्टइंडीज ने प्रत्येक विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां नेपाल को टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में नौ विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की।

नेपाल ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 133 रन बनाए। नेपाल की तरफ से दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 47 गेंद पर 58 रन की शानदार पारी खेली।

वेस्टइंडीज की तरफ से जैसन होल्डर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने चार ओवर में 27 रन देकर चार विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया।

वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में 15.2 ओवर में एक विकेट पर 134 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल किया। वेस्टइंडीज की तरफ से कप्तान शाई होप ने 44 गेंद पर नाबाद 61 रन बनाए जिसमें पांच चौके और तीन छक्के शामिल हैं। शिमरोन हेटमायर ने चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 32 गेंद पर नाबाद 46 रन बनाए।

व्यापार

इंडिया-यूएस ट्रेड डील का असर; विदेशी निवेशकों का बदला रुख, फरवरी में 19,675 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली | भारत और अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील का असर अब दिखने लगा है. विदेशी निवेशकों का रूख भी भारतीय बाजार की तरफ लौट रहा हैं. फरवरी महीने की बात करें तो, विदेशी निवेशकों ने बाजार पर भरोसा दिखाया और जमकर निवेश किया है.

आंकड़ों के अनुसार, फरवरी महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने करीब 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है. बीते कुछ महीनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार में जबरदस्त बिकवाली की थी. इस बदलते हुए ट्रेंड से घरेलू निवेशकों का भी भरोसा भारतीय बाजार पर और ज्यादा बढ़ सकता है. आइए जानते हैं, इस बारे में...

लगातार बिकवाली के बाद लौटे विदेशी निवेशक - लंबे समय तक बिकवाली के बाद अब विदेशी निवेशकों का रुख बदलता नजर आ रहा है. अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों

ने फरवरी के पहले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये का निवेश किया है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार 13 फरवरी तक यह राशि विदेशी निवेशकों ने बाजार में डाली है. जो पिछले तीन महीनों की लगातार निकासी के बाद एक अहम बदलाव माना जा रहा है.

बिकवाली आंकड़ों की बात करें तो, जनवरी में एफपीआई ने 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी की थी. साल 2025 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से शुद्ध रूप से 1.66 लाख करोड़ रुपये निकाले थे. ऐसे में फरवरी में आया विदेशी निवेश बाजार की उत्साह बढ़ा सकता है.

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के मैनेजमेंट हेड-रिसर्च हिमांशु श्रीवास्तव के अनुसार, हाल में दिखी विदेशी खरीदारी के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता के माहौल में आई नरमी एक बड़ा कारण है. खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है. जिससे वे भारत जैसे उभरते बाजारों में जोखिम लेने की इच्छा दिखा रहे हैं.

एंजेल वन के वरिष्ठ बुनियादी विशेषज्ञ वकारजावेद खान ने भी माना कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौता, 2026-27 के आम बजट का सकारात्मक प्रभाव और वैश्विक अनिश्चितताओं में कमी जैसे कारणों ने विदेशी निवेशकों के भरोसे को मजबूत करने का काम किया है. जिससे यह बदलाव देखने को मिल रहा है.

भारत के साथ डील का असर या कुछ और... चीन के तेवर नरम पड़े, यूरोप के 27 देशों को बड़ा फायदा

एजेंसी नई दिल्ली

चीन के तेवर नरम पड़े हैं। उसने यूरोपीय संघ (ईयू) के डेयरी आयात पर टैरिफ कम कर दिए हैं। 18 महीने की एंटी-डंपिंग जांच के बाद उसने यह कदम उठाया है। ये पहले प्रस्तावित स्तरों से काफी कम हैं। लेकिन, घरेलू उत्पादकों को सुरक्षा देते हैं। चीन के वाणिज्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार, 13 फरवरी से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए ईयू के डेयरी उत्पादों पर टैरिफ अब 7.4 फीसदी से 11.7 फीसदी के बीच रहेंगे। ये नई दरें पिछले दिसंबर में घोषित 21.9 फीसदी से 42.7 फीसदी के टैरिफ से काफी कम हैं। जांच में 50.6 करोड़ डॉलर से अधिक के ईयू के डेयरी शिपमेंट शामिल थे। यह कदम भारत के साथ ईयू की ट्रेड डील के बाद उठाया गया है। चीन के कदम से यूरोपीय संघ के 27 देशों को बड़ा फायदा होगा। चीन का ताजा कदम ईयू की ओर से चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैरिफ लगाने के बाद बीजिंग और ब्रुसेल्स के बीच चल रहे व्यापार तनाव के बीच आया है। इसने चीन को यूरोपीय उत्पादों की जांच शुरू करने के लिए उकसाया था। कटौती के बावजूद विश्लेषकों का कहना है कि टैरिफ विदेशी प्रतिस्पर्धा को सीमित करके चीनी डेयरी उत्पादकों को फायदा पहुंचाते हैं। वहीं, ट्रेड फ्रिक्शन में तेज बढ़ोतरी से बचते हैं।

चीन ने 2024 में जांच के दायरे में आने वाले डेयरी उत्पादों का लगभग 58.9 करोड़ डॉलर का आयात किया। यह पिछले साल के स्तर के लगभग बराबर है। अगस्त 2024 में शुरू की गई जांच में बिना चीनी वाले दूध, क्रीम जैसे उत्पादों को टारगेट किया गया था। इसके अलावा, फ्रांस, इटली, डेनमार्क और नीदरलैंड जैसे देशों से निर्यात की जाने वाली अलग-अलग तरह की चीजें भी शामिल थीं। इस महीने की शुरुआत में यूरोपीय संघ ने कहा था कि उसे एंटी-सब्सिडी ड्यूटी के लिए चीन के अंतिम कैलकुलेशन हासिल हुए हैं। इसमें फरवरी के अंत में निश्चित दरें अपेक्षित हैं। टैरिफ में कमी दो महीने में दूसरी बार है। चीन ने यूरोपीय संघ के उन सामानों पर ड्यूटी कम किया है जिन्हें मूल रूप से ब्लॉक के ईवी टैरिफ के बाद टारगेट किया गया था। इसे यह सुझाव देते हुए किया गया था कि दोनों पक्ष बातचीत जारी रखते हुए तनाव को मैनेज करने के तरीके खोजेंगे।

जबकि ड्यूटी में कमी कुछ राहत का संकेत देती है। व्यापार शर्तों पर ब्रुसेल्स और बीजिंग के बीच मतभेद बने हुए हैं। दोनों पक्षों के बीच आगे बातचीत की उम्मीद है। इसमें घरेलू उद्योग संरक्षण को व्यापक आर्थिक संबंधों के साथ संतुलित करने का प्रयास करते हुए आगे बढ़ा जाएगा।

भारत की पॉलिसी में चेंज और अडानी समूह की न्यूक्लियर पावर सेक्टर में एंट्री, पक्ष-विपक्ष पूरा मामला समझिए

एजेंसी नई दिल्ली

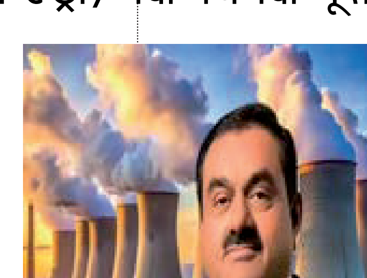

गौतम अडानी के नेतृत्व वाला अडानी समूह भारत के न्यूक्लियर एनर्जी पावर सेक्टर में एंट्री करने के लिए तैयार है। इस तरह यह टाटा और जेएसडब्ल्यू जैसे समूहों में शामिल हो जाएगा। सरकार परमाणु ऊर्जा उत्पादन को प्राइवेट कंपनियों के लिए खोल रही है। यह उसकी पॉलिसी में बड़ा बदलाव है। अहमदाबाद स्थित इन्फ्रास्ट्रक्चर दिग्गज ने अडानी पावर के तहत एक नई सब्सिडियरी कंपनी बनाई है। इसका नाम अडानी एटॉमिक एनर्जी है। एक रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, यह पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी परमाणु और एटॉमिक ऊर्जा स्रोतों से हासिल बिजली के उत्पादन, ट्रांसमिशन और ड्रिस्ट्रीब्यूशन पर फोकस करेगी। कई विपक्षी दलों को अडानी समूह की न्यूक्लयिर एनर्जी पावर सेक्टर में एंट्री पसंद नहीं आई है। आइए, पूरे मामले को समझते हैं। यह कदम सरकार की ओर से एक बड़े नीतिगत बदलाव का संकेत देने के बाद आया है। वह भारत की लॉन्ग-टर्म क्लीन एनर्जी और एनर्जी सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी में न्यूक्लियर पावर में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी चाहती है।

भारत में अभी लगभग 9 गीगावाट स्थापित परमाणु क्षमता है। यह कुल बिजली उत्पादन का लगभग 3% योगदान देती है। सरकार ने 2047 तक परमाणु क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी टारगेट तय किया है। इसमें परमाणु ऊर्जा की उस समय तक हिस्सेदारी लगभग 10% तक की उम्मीद है। हाल ही में प्रस्तावित विधायी ढांचे के तहत निजी कंपनियों को छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) सहित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण, स्वामित्व और संचालन की अनुमति दी जाएगी। इसे 'शांति विधेयक' के रूप में जाना जाता है। इस पॉलिसी चेंज के तहत प्रमुख प्रावधानों में संयंत्र के स्वामित्व और संचालन में निजी भागीदारी की अनुमति, 49% तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), तय सीमा से इतर यूरेनियम खनन पर निरंतर सरकारी नियंत्रण, सरकारी कस्टडी में खर्च किए गए ईंधन का प्रबंधन और सामग्री, स्रोत सामग्री और भारी पानी जैसी रणनीतिक सामग्रियों का सख्त विनियमन शामिल है। अडानी की एंट्री पर विपक्षी दलों ने आलोचना की है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि हाल के नियामक बदलावों को कुछ खास कॉर्पोरेट हितों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया था और प्रस्तावित कानून को समूह के पक्ष में बताया। हालांकि, सरकार ने इन सुधारों को कम कार्बन ऊर्जा में भारत के ट्रांजिशन को तेज करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए जरूरी बताया है। भारत 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रख रहा है। बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में परमाणु ऊर्जा को रिन्यूएबल एनर्जी के लिए एक टिकाऊ कॉम्पलीमेंट के रूप में देखा जा रहा है। अडानी एटॉमिक एनर्जी का गठन अडानी पावर के तहत किया गया है। यह नई इकाई परमाणु और एटॉमिक ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली के उत्पादन, ट्रांसमशिन और डसि्ट्रीब्यूशन पर फोकस करेगी। अडानी समूह के लिए यह एक महत्वपूर्ण विस्तार है।

पहली बार जनरल डिब्बों की लाइव क्लीनिंग, फर्स्ट क्लास की तर्ज पर साफ-सफाई, रेलवे में रिफॉर्म एक्सप्रेस

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय रेलवे में बड़ा बदलाव आने वाला है। रेलवे में 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की लहर चलाई गई है। नई पहल के तहत 52 तरह के सुधार किए जाएंगे। इसका मकसद यात्रियों को बेहतर सुविधा देना है। इस पहल में सभी कोचों की सफाई पर खास ध्यान दिया जाएगा। अगर सफाई नहीं हुई तो संबंधित कंपनी पर कार्रवाई होगी। पहली बार जनरल कोच की लाइव क्लीनिंग भी होगी। शुरुआत में 80 ट्रेनों से यह सुविधा शुरू हो रही है। साथ ही, गतिशक्ति कार्गो पर भी फोकस किया जाएगा। इसमें 124 मल्टी-मॉडल कार्गो शामिल हैं। जनरल कोचों की सफाई फर्स्ट क्लास की तर्ज पर की जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। इस 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के तहत भारतीय रेलवे में कुल 52 सुधार लागू किए जाएंगे। इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य यात्रियों के सफर को आरामदायक और स्वच्छ बनाना है। अब हर ट्रेन के सभी कोचों की सफाई का खास ख्याल रखा जाएगा। अगर किसी कंपनी ने सफाई का काम ठीक से नहीं किया तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक और खास बात यह है कि पहली बार जनरल कोचों की सफाई को लाइव दिखाया जाएगा। इससे पारदर्शिता बनी रहेगी और यात्रियों को भी पता चलेगा कि सफाई कैसी हो रही है। अभी यह सुविधा 80 ट्रेनों से शुरू की जा रही है। धीरे-धीरे इसे सभी ट्रेनों में लागू किया जाएगा। इसके अलावा, रेलवे गतिशक्ति कार्गो पर भी जोर दे रहा है। इसके तहत 124 मल्टी-मॉडल कार्गो की सुविधा दी जाएगी। इसका मतलब है कि सामान को अलग-अलग तरीकों से, जैसे ट्रेन और सड़क, दोनों का इस्तेमाल करके पहुंचाया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए जनरल कोचों की सफाई भी अब फर्स्ट क्लास कोचों की तरह ही की जाएगी। इससे आम यात्रियों को भी बेहतर अनुभव मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस पुलिस ने अधिकारियों पर हमला करने की कोशिश करने वाले शख्स को गोली मार कर किया घायल

पेरिस , एजेंसी। पेरिस पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, हमलावर ने नेपोलियन युग के ऐतिहासिक स्थल पर अज्ञात सैनिकों को श्रद्धांजलि देने वाली चिरस्थायी लौ को पुन: प्रज्वलित करने के समारोह की सुरक्षा कर रहे एक अधिकारी को निशाना बनाया। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अधिकारी ने हमलावर पर गोली चलाई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस घटना में कोई भी राहगीर या पुलिस अधिकारी घायल नहीं हुआ। फ्रांस के आतंकवाद विरोधी अभियोजक कार्यालय ने कहा कि वह मामले की जांच कर रहा है और उसने एक जांचकर्ता को घटनास्थल पर भेजा है। आर्क डी ट्रायम्फ पेरिस के सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से एक है और यह व्यस्त चैंप्स-एलिसी एवेन्यू के शीर्ष पर स्थित है।

महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचेंगे आठ लाख श्रद्धालु

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में रविवार को महाशिवरात्रि के मौके पर करीब आठ लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इनमें लगभग 30 प्रतिशत भारतीय होंगे। बागमती नदी के तट पर स्थित मंदिर को देश-विदेश, विशेषकर भारत से आने वाले हिंदू श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए रंग-बिरंगी रोशनी, कागजी झंडों, फूलों, मालाओं और बैनरों से सजाया गया है। मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने वाले पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक सुभाष जोशी ने कहा, पांच मार्च को होने वाले चुनाव के मद्देनजर इस बार मंदिर की सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं और करीब 8,000 सुरक्षाकर्मियों, जिनमें नेपाली सैनिक भी शामिल हैं, की तैनाती की गई है। मंदिर प्रबंधन ने कहा, मंदिर तड़के दो बजे खुलेगा और श्रद्धालु चारों दिशाओं से शिवलिंग के दर्शन कर सकेंगे। श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क आपातकालीन चिकित्सीय सेवा, स्वयंसेवक सेवा तथा चंदन टीका वितरण की व्यवस्था है। वृद्ध, बीमार और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

आईएसएस के लिए अंतरिक्ष यात्रियों का नया दल रवाना

केप केनावेरल, एजेंसी। नासा के पहले चिकित्सा निकासी अभियान में समय से पहले पृथ्वी पर लौटे अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेने के लिए शुक्रवार को एक नया दल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुआ। स्पेसएक्स द्वारा रवाना इस नए दल में अमेरिकी, फ्रांसीसी और रूसी यात्री शामिल हैं। यह मिशन आठ से नौ माह का है और शरद ऋतु तक चलेगा। नासा ने बीमार अंतरिक्ष यात्री की पहचान या सेहत का खुलासा नहीं किया है। यात्रियों में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री मीर और जैक हैथवे, फ्रांस की सोफी एडेनोट और रूस के आंद्रेई फेद्यायेव शामिल हैं।

13 लोगों की दर्दनाक मौत, 9 अन्य घायल... हाईवे पर मची चीख पुकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कराची के बाहर सुपर हाईवे पर कुछ गाड़ियों की टक्कर में शुक्रवार को कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। राजमार्ग पर गलत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार यात्री बस एम9 अंसारी पुल पर एक तेल टैंकर से टकरा गई। इसी दौरान एक अन्य यात्री बस भी टैंकर से टकरा गई। क्षेत्र के पुलिस अधिकारी खालिद समोजो ने बताया कि घटना में 13 लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, शुरुआती जांच में घटना में यात्री बस चालक की गलती पाई गई है। एक बस सड़क के किनारे से पुल पर आई और तेल टैंकर से टकरा गई। मृतकों और घायलों में पैदल यात्री भी शामिल हैं।

पहाड़ी इलाके में छोटा विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, प्लेन में सवार सभी चार लोगों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य में एक दर्दनाक विमान हादसा हुआ है। शुक्रवार को एक छोटा विमान पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी विमानन प्राधिकरण के मुताबिक, हादसा करीब रात 12 :20 बजे हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान एक इपिक इ1000 था, जो छह सीटों वाला टर्बोप्रॉप विमान है।

ईरान पर हमले की पूरी तैयारी में डोनाल्ड ट्रंप, बता दिया युद्धपोत भेजने के पीछे का इरादा

ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार सैन्या कार्रवाई की धमकी दी है

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कन्फर्म कर दिया है कि वह अपने सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर को पूरे लाव लश्कर के साथ मध्य एशिया भेज रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता जरूर चल रही है लेकिन परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव कम नहीं हो रहा है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार सैन्या कार्रवाई की धमकी दी है।

अमेरिका के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर को लेकर जब डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह तोड़ी ही देर में रवाना होने वाला है। अगर ईरान के साथ मसझौता नहीं होता है तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गेराल्ड के साथ ही यूएसएस अब्राहम लिंकन शिप को भी रवाना किया गया है।

ईरान में विरोध प्रदर्शन और फिर खामेनेई द्वारा प्रदर्शनकारियों के दमन को लेकर दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कहा है कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान अमेरिका की बात नहीं मानता है तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गाइडेड मिसाइल से लैस यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही अरब सागर में मौजूद है। पिछले ही सप्ताह ईरान के एक ड्रोन को इसी युद्दपोत पर से ही मार गिराया गया था। यूएसएस गेराल्ड फोर्ड युद्धपोत वेनेजुएला में अभियान को अंजाम देने गया था और तब से वहीं था। अब यहां से सीधे वह मध्य एशिया की ओर रवाना कर

दिया गया है। बता दें कि दोनों देशों ने पिछले सप्ताह ओमान में बातचीत की थी। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर समझौता नहीं होता है तो परिणाम बहुत गंभीर होंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय ईरान के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच वाशिंगटन की सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के तौर पर लिया गया है। यह युद्धपोत अब फारस की खाड़ी और अरब सागर क्षेत्र में पहले से मौजूद 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके सहायक बेड़े के साथ शामिल होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि दो विमानवाहक पोतों की एक साथ मौजूदगी इस क्षेत्र में वाशिंगटन की नौसैनिक ताकत को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा देगी, जिससे ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर दबाव बढ़ेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कदम इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हाल ही में हुई लंबी चर्चा के बाद उठाया है। बताया जा रहा है कि ओमान में तेहरान के साथ परमाणु कार्यक्रम पर चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता में कोई ठोस परिणाम न मिलने से वाशिंगटन असंतुष्ट है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती में गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक और निगरानी विमान भी शामिल हैं।

अमेरिकी सेना का कैरेबियन सागर में एक और बोट पर हमला, 3 की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रग तस्करी के आरोप में शुक्रवार को एक और नाव पर हमला किया है। इस हमले में 3 लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी सदर्न कमांड के मुताबिक नाव कथित तौर पर ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल हो रही थी। यह हमला किया गया।

अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह नाव कैरेबियन में 'नार्को-ट्रैफिकिंग रूट' पर चल रही थी और ड्रग तस्करी में शामिल थी। कमांड ने बताया कि हमले में नाव सवार तीन लोग मारे गए। पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया गया है। वीडियो में एक नाव पानी में चलते हुए दिखती है, जिसके बाद वह धमाके के साथ आग की लपटों में घिर जाती है।

यह हमला ट्रम्प प्रशासन की उस कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें कथित ड्रग तस्करी में शामिल नावों को निशाना बनाया जा रहा है। पिछले साल सितंबर से अब तक कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कम से कम 38 हमले किए गए हैं। इन हमलों में अब तक कुल 133 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पिछले हफ्ते कहा था कि क्षेत्र के कुछ बड़े कार्टेल ड्रग तस्करों ने हाल की सैन्य कार्रवाइयों के कारण अनिश्चितकाल के लिए नशीले पदार्थों का कारोबार बंद करने का फैसला किया है।

हालांकि, हेगसेथ ने अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर किए गए इस दावे के समर्थन में कोई सबूत शेयर नहीं किया। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका के ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उन्होंने इन हमलों को ड्रग्स की सप्लाई रोकने के लिए जरूरी कदम बताया है। हमले का वीडियो साझा करते हुए अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पर

बताया कि 13 फरवरी को कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित एक पोत पर घातक सैन्य हमला किया।

पोस्ट में आगे कहा गया कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि पोत कैरिबियाई सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के मार्गों से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस कार्रवाई में तीन तस्कर मारे गए। अमेरिकी सेना का कोई भी जवान घायल नहीं हुआ।

पोस्ट के साथ जुड़े एक वीडियो में नाव को पानी में चलते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद वह आग की लपटों में घिरकर फट जाती है। शुक्रवार (13 फरवरी) के हमले के बाद ट्रंप प्रशासन के कथित तौर पर मादक पदार्थों से भरी नौकाओं पर किए गए हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 133 हो गई है। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कम से कम 38 हमले किए गए हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिकी प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की जाए अथवा नहीं। ट्रंप ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के तुरंत बाद कीं और इससे पहले उन्होंने दिन में पुष्टि की थी कि वह ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत तैनात कर रहे हैं।

ईरान में इस्लामी शासन के अंत के प्रयासों के बारे में पत्रकारों के प्रश्न पर ट्रंप ने कहा, इससे अच्छा और कुछ नहीं हो सकता। वे 47 सालों से सिर्फ बातें कर रहे हैं। ट्रंप ने पहले कहा था कि दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड को कैरेबियाई सागर से पश्चिम एशिया भेजा जा रहा है, वहां पहले से ही अमेरिकी युद्धपोत और सैन्य हथियार मौजूद हैं। यह तैनाती ऐसे समय में की जा रही है जब कुछ ही दिन पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान के साथ एक और दौर की वार्ता जल्द हो सकती है, हालांकि ये वार्ताएं नहीं हो सकीं। इस सप्ताह तेहरान के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने ओमान और कतर का दौरा किया और वहां अमेरिकी मध्यस्थों के साथ भी बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दूसरे विमानवाहक पोत के बारे में संवाददाताओं से कहा, अगर हम कोई समझौता नहीं कर पाए, तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा, यह बहुत जल्द रवाना होगा।

3 दिन में 10 हजार कंडोम खत्म... विंटर ओलंपिक्स में मंडराया कंडोम का संकट

कॉर्टिना डीएम्पेज़ो, एजेंसी। 2026 के मिलान-कॉर्टिना विंटर ओलंपिक्स में खेलों से इतर एक अलग ही वजह चर्चा का केंद्र बन गई है। एथलीट्स विलेज में उपलब्ध कराए गए मुफ्त कंडोम शुरुआती दिनों में ही समाप्त हो गए, जिससे आयोजन समिति को तत्काल अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था करनी पड़ी। आयोजकों के अनुसार, शुरुआती चरण में करीब 10,000 पैक उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन मांग अनुमान से कहीं अधिक निकली। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही नया स्टॉक पहुंचाया जाएगा, हालांकि सटीक समयसीमा स्पष्ट नहीं की गई है।

कॉर्टिना डी'एम्पेज़ो स्थित एथलीट्स विलेज में लगभग 2,900 खिलाड़ियों के लिए करीब 9,700 से अधिक कंडोम उपलब्ध कराए गए थे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त वितरण की व्यवस्था भी थी, लेकिन कुछ ही दिनों में स्टॉक समाप्त हो गया। एथलीट्स विलेज का माहौल- जहां अलग-अलग देशों के खिलाड़ी एक ही

परिसर में कई हफ्तों तक साथ रहते हैं- ऐसी स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को स्वाभाविक रूप से बढ़ा देता है। मॉड्यूलर आवास, साझा सुविधाएं और सीमित निजता इस स्थिति को और प्रभावित करती हैं।

यह घटना इसलिए भी सुर्खियों में है क्योंकि हालिया ओलंपिक संस्करणों में कहीं अधिक मात्रा में कंडोम वितरित किए गए थे। उदाहरण के लिए, पेरिस समर ओलंपिक्स 2024 में लगभग 2 लाख पुरुष और 20 हजार महिला कंडोम उपलब्ध कराए गए थे। इससे पहले के आयोजनों में भी संख्या तीन लाख तक पहुंच चुकी है। ऐसे में मिलान-कॉर्टिना का अपेक्षाकृत कम प्रारंभिक स्टॉक चर्चा का विषय बन गया है।

ओलंपिक में कंडोम वितरण की परंपरा

ओलंपिक विलेज में मुफ्त गर्भनिरोधक उपलब्ध कराना लंबे समय से परंपरा का हिस्सा रहा है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों के बीच सुरक्षित यौन व्यवहार को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करना है। टोक्यो ओलंपिक्स 2021 के दौरान कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण सामाजिक संपर्क पर सख्ती थी, लेकिन अब सामान्य माहौल लौटने के साथ मांग भी सामान्य स्तर पर पहुंच गई है।

अमेरिकी सांसदों ने अप्रैल में डोनाल्ड ट्रंप-शी की मुलाकात से पहले क्वाड समिट की मांग की

वॉशिंगटन , एजेंसी। दो वरिष्ठ अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप सरकार से अप्रैल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली मीटिंग से पहले क्वाड नेताओं की समिट बुलाने की अपील की है। उनका कहना है कि इससे बीजिंग के साथ डील करने में वॉशिंगटन की पकड़ मजबूत होगी। अमेरिकी सांसद टिम केन (डी-वीए) और पीट रिकेट्स (आर-एनई) दोनों सीनेट विदेश मामलों के कमेटी के सदस्य हैं। दोनों सांसदों ने इस संबंध में मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखी, जिसमें सरकार को अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान को शामिल करते हुए क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) के अगले वर्जन को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया। बता दें, इस बार क्वाड समिट की मेजबानी भारत करने वाला है। यह असल में 2025 में भारत में होने वाला था। ट्रंप समेत सभी चार देशों ने भारत क्वाड समिट में शामिल होने की प्रतिबद्धता जताई है।

सीनेटरों ने लिखा, 'चीन के साथ जबरदस्त रणनीतिक कॉम्पिटिशन के इस अहम पल में, क्वाड लीडर्स समिट बुलाने से लीडिंग हिंद-प्रशांत लोकतंत्र के बीच एकता, पक्के इरादे और रणनीतिक तालमेल का साफ संकेत जाएगा। अप्रैल में शी जिनपिंग के साथ राष्ट्रपति ट्रंप की तय मीटिंग से पहले क्वाड समिट करना, राष्ट्रपति के बीजिंग दौरे से पहले हिंद-प्रशांत में अमेरिकी नेतृत्व का एक अहम प्रदर्शन होगा। पहले एक सफल क्वाड समिट राष्ट्रपति ट्रंप को ज्यादा फायदे की स्थिति से जुड़ने का मौका देगा।'

सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप के बीजिंग दौरे से पहले होने वाली मीटिंग डिप्लोमैटिक माहौल को आकार देगी। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप की ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने में हाल की सफलताओं ने क्वाड के जरिए फिर से मिलकर काम करने का माहौल तैयार किया है।'

सांसदों ने चिट्ठी में भारत के साथ ट्रेड डील की घोषणा का भी जिक्र किया और कहा कि यह भारत और पूरे हिंद-प्रशांत में रणनीतिक और रक्षा सहयोग को काफी गहरा करने की नींव रखता है।'

न्यूयॉर्क कोर्ट में गुनाह कबूला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की जेल की सजा सुनाई गई। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक निखिल ने शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क की कोर्ट में गुनाह कबूल कर लिया है। 29 मई को सजा का औपचारिक ऐलान किया जाएगा। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने एक्स पर पोस्ट कर निखिल गुप्ता के अपराध कबूलने की जानकारी दी। एफबीआई के मुताबिक, यह साजिश एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए रची गई थी, जिसे अमेरिकी एजेंसियों ने समय रहते नाकाम कर दिया। यूएस अटॉर्नी ऑफिस के बयान के मुताबिक, निखिल गुप्ता उर्फ 'निक' ने सेकंड सुपरसिडिंग इंडिक्टमेंट में लगाए गए तीनों आरोपों को स्वीकार किया है। इन आरोपों में मर्डर-फॉर-हायर, मर्डर-फॉर-हायर की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश शामिल है। पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर विकास यादव ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश रचने को कहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने दावा किया है कि भारतीय सरकार के एक कर्मचारी ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए एक हिटमैन की व्यवस्था करने को कहा था। यह आरोप मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में दाखिल इंडिक्टमेंट में लगाया गया था। उस कर्मचारी को आरोपपत्र में सीसी-1 कहा गया है 29 मई: निखिल गुप्ता ने किसी ऐसे शख्स की तलाश शुरू की जो पन्नू को मार सके। हालांकि, जिसे पन्नू को मारने के लिए हायर किया गया वो अमेरिका का अंडर कवर एजेंट निकला। कुछ हफ्तों तक निखिल गुप्ता ने इस अंडर कवर एजेंट से पन्नू को मारने के तरीके और कीमत पर चर्चा की।

जर्मन चांसलर मर्ज बोले- यूरोप की आजादी की गारंटी नहीं, अमेरिका से रिश्तों में गहरी दरार, नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी की अब गारंटी नहीं है। मर्ज के मुताबिक यूरोप अब यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे अपने-आप सुरक्षा मिलती रहेगी। म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म हो गई है, वैश्विक व्यवस्था अब उस रूप में मौजूद नहीं रही। मर्ज ने कहा कि दुनिया अब बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से चल रही है। सम्मेलन में कई यूरोपीय नेता और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे।

मर्ज ने कहा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब खत्म हो गई है। उन्होंने बताया कि उस समय देश आपसी नियमों और समझ के आधार पर काम करते थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। मर्ज ने कहा कि ऐसे माहौल में यूरोप यह मानकर नहीं चल सकता कि उसकी सुरक्षा और आजादी अपने-आप बनी रहेगी। यूरोपीय देशों को अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़े तो त्याग भी करना होगा और अपनी रक्षा व अर्थव्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। मर्ज के मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों से नहीं, बल्कि ताकत और अपने-अपने हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा,

मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता। उनके मुताबिक, अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कोई भी बड़ी ताकत अपने दम पर हर चुनौती का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका को भी सहयोगियों की जरूरत है। सुरक्षा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे बड़े

मुद्दों पर साझेदारी जरूरी है। सिर्फ ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है।

मर्ज ने साफ किया कि नाटो सिर्फ यूरोप के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद है। यह गठबंधन दोनों पक्षों को मजबूत बनाता है। इसलिए उन्होंने कहा, 'आइए, हम मिलकर ट्रांस-अटलांटिक भरोसे को फिर से मजबूत करें। मर्ज के मुताबिक, यूरोप नाटो के भीतर ही एक मजबूत ताकत बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, ताकि साझेदारी बराबरी की हो। उन्होंने यह भी माना कि मर्ज ने पिछले साल म्यूनिख में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान का जिक्र करते हुए उन पर खुलकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'एमएजीए आंदोलन की सांस्कृतिक लड़ाई हमारी नहीं है।' पिछले साल म्यूनिख सम्मेलन में जेडी वेंस ने यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी, आप्रवासन और पारंपरिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि यूरोप अपने मूल्यों से दूर जा रहा है और कुछ देशों में फ्री स्पीच सीमित हो रही है। उनके बयान को यूरोपीय नीतियों की आलोचना के तौर पर देखा गया था।

मर्ज ने उसी पर जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) राजनीति और उससे जुड़ी सांस्कृतिक बहसें यूरोप की नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी है, लेकिन वह मानव गरिमा और संविधान के खिलाफ नहीं जा सकती। मर्ज के इस बयान को वेंस के बयान पर सीधा पलटवार माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि कि यूरोप अपनी राजनीतिक दिशा खुद तय करेगा और अमेरिका की घरेलू राजनीति से दूरी बनाए रखेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अब समय आ गया है कि यूरोप सिर्फ आर्थिक ताकत न रहे, बल्कि रक्षा और तकनीक में भी मजबूत होकर एक भू-राजनीतिक ताकत बने। उनका मतलब था कि यूरोप को वैश्विक फैसलों में ज्यादा प्रभावी भूमिका निभानी होगी। नाटो के महासचिव मार्क रुटे ने भी कहा कि सोच बदल रही है। उनके मुताबिक, यूरोप अब अपनी सुरक्षा को लेकर ज्यादा गंभीर है और नाटो के भीतर नेतृत्व की बड़ी भूमिका निभाने के लिए आगे आ रहा है। सम्मेलन के दौरान मैक्रों ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और अन्य यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस दुनिया की सबसे अहम सुरक्षा बैठकों में से एक है। यह हर साल जर्मनी के शहर म्यूनिख में आयोजित होती है। यहां दुनिया के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश और रक्षा मंत्री समेत बड़े रणनीतिक विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ताराचंद मालवीय द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स 119 इनारा हाउस, रायसेन रोड,पुल बोगदा, भोपाल 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं ब्यूरो प्रधान कार्यालय : ए-60, सेठी नगर, दुर्गा मंदिर के पास न्यू अशोका गार्डन भोपाल (म. प्र.),भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-लक्ष्मी नारायण सह संपादक- लखन गुरू सलाहकार संपादक :भूपेंद्र निगम (सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) । संपर्क नंबर-8871760319, 0755-4928781

सार समाचार

भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों में कंफर्म सीट नहीं, होली पर घर जाना मुश्किल

भोपाल। होली का त्योहार नजदीक आते ही घर लौटने की चाह हर दिल में जाग उठती है। लोग अपनों के साथ रंगों की खुशियां बांटना चाहते हैं, लेकिन इस बार सफर आसान नहीं है। भोपाल से दिल्ली, मुंबई, बिहार और उत्तर प्रदेश जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। इंदौर-पटना, कर्नाटका और हमसफर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट और रिग्रेट की स्थिति बनी हुई है। सीट न मिलने से यात्रियों को वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी पड़ रही है, जिससे खर्च और परेशानी दोनों बढ़ गए हैं। होली हो या दिवाली, बड़े त्योहारों के दौरान ट्रेनों में कंफर्म सीट न मिलना अब आम समस्या बन गई है। यात्रा की तारीख से करीब एक महीने पहले ही अधिकांश ट्रेनों में ह्यनो रूमह्ल की स्थिति दिखाई देने लगती है। वेटिंग लिस्ट लंबी हो जाती है और कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो जाता है। यात्रियों का कहना है कि हर साल त्योहारों के समय यही स्थिति बनती है। मजबूरी में लोगों को तत्काल टिकट का सहारा लेना पड़ता है, जहां भीड़ और अधिक रहती है। कई यात्रियों को घर पहुंचने के लिए बस, फ्लाइट या निजी वाहन जैसे महंगे विकल्प चुनने पड़ते हैं। यात्रियों की मांग है कि त्योहारों से पहले रेलवे को अतिरिक्त या स्पेशल ट्रेनों की घोषणा करनी चाहिए, ताकि भीड़ का दबाव कम हो सके और लोगों को समय पर कंफर्म सीट मिल सके।

मध्य प्रदेश में बिना परमिट दौड़ रही बसों पर कसेगा शिकंजा

भोपाल। मध्य प्रदेश की सडकों पर नियमों का उल्लंघन कर मनमाने तरीके से चल रही बसों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना परमिट या निर्धारित रूट का पालन न करने वाले बस ऑपरेटरों पर परिवहन विभाग शिकंजा कसने जा रहा है। नए परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के पदभार ग्रहण करने के बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाया है और 16 फरवरी से प्रदेशव्यापी विशेष जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे प्रमुख शहरों में परमिट उल्लंघन की बढ़ती शिकायतों ने विभाग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते विस्तृत डेटा विश्लेषण भी किया जा रहा है। भोपाल में भी विशेष अभियान चलाकर बसों की जांच की जाएगी। पिछले वर्ष भी परिवहन कार्यालय ने बसों की लगातार जांच का अभियान चलाया था। नियमों का उल्लंघन जारी हालांकि, पूरे साल चले अभियान के बावजूद नियमों का उल्लंघन जारी रहा है। अब एक बार फिर बड़े पैमाने पर जांच की जाएगी। भोपाल से विभिन्न रूटों पर प्रतिदिन सैकड़ों बसों का संचालन होता है। इन बसों में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग विशेष अभियान शुरू करेगा। जांच के दौरान बसों में कमियां पाए जाने पर जब्ती के साथ ही जुमार्ने की कार्रवाई की जाती है। लगातार की जा रही कार्रवाई के कारण बस संचालक अपनी बसों की कमियों को दूर कर लेते हैं, जिससे हादसों पर अंकुश लगता है। इसी को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग जांच अभियान को पुनः शुरू करने जा रहा है।

आईआरसीटीसी ने 25 ट्रेनों में शुरू की ई-पेंट्री सर्विस

भोपाल। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कैटरिंग सर्विस को बेहतर बनाने 25 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रियों के लिए ई-पेंट्री मील्स बुकिंग सुविधा शुरू की है। इसमें वे ट्रेनें शामिल की गई, जिसमें खाना टिकट के किराए में शामिल नहीं है। रेलवे ने यात्रियों के लिए ई-पेंट्री, पेंट्री कार वाली ट्रेनों में खाना प्री-बुक करने का एक विकल्प दिया है। ई-पेंट्री सर्विस शुरू होने से पैसेंजर पहले से बुक किए अपने खाने के साथ बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकते हैं। आईआरसीटी टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेटेड, यह सुविधा कन्फर्म, आरएसी या पार्शियली कन्फर्म टिकट वाले पैसेंजर को स्टैंडर्ड मील और रेल नीर प्री-ऑर्डर करने की सुविधा देती है। इसका डिलीवर पेंट्री कार स्टॉफ सीधे यात्री की सीट पर करेगा। इन ट्रेनों में मिलेगी सुविधा 12483-84 कोचुवेली, 4 12817-18 स्वर्णजयंती, 18237-38, छत्तीसगढ़, 12791-92 सिकंदराबाद- दानापुर, 12649-50/ 12629-30 कर्नाटक संपर्क क्रांति, 12617-18, मंगलादीप, 12779-80, गोवा वास्को 12533-34 पुष्पक, 12615-16 जीटी, 12129-30 आजाद हिंद, 12919-20 मालवा, 19483-84 अहमदाबाद बरौनी एक्सप्रेस शामिल है। ये ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल, इटारसी होकर चलती है।

मप्र में अब प्रापर्टी खरीदना होगा महंगा

राजस्व और पंजीयन विभाग ने की 74 हजार लोकेशन की नई गाइडलाइन तैयार

भोपाल। मध्य प्रदेश में नए वित्त वर्ष की शुरूआत के साथ ही लोगों के लिए जमीन और मकान खरीदना भी मंहगा होने जा रहा है। राजस्व और पंजीयन विभाग ने प्रदेश के करीब 74 हजार लोकेशन का विस्तृत सर्वे पूरा कर नई कलेक्टर गाइडलाइन का मसौदा तैयार कर लिया है। यह गाइडलाइन 1 अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी। हालांकि अब इस प्रस्ताव को पहले उप जिला मूल्यांकन समिति, फिर जिला मूल्यांकन समिति में चर्चा के बाद केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा जाएगा। वहां से अंतिम स्वीकृति मिलते ही नई दरें प्रभावी हो जाएंगी। इस बार कलेक्टर गाइडलाइन के तहत दर निर्धारण की प्रक्रिया पारंपरिक तरीके से बिलकुल अलग और हाईटेक बनाई गई है। पंजीयन विभाग ने पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सैटेलाइट इमेजरी का सहारा लिया है। एमपी इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सहयोग से जिलों की एक साल पुरानी और वर्तमान सैटेलाइट तस्वीरों का विश्लेषण किया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बीते एक वर्ष में किन क्षेत्रों में नया विकास हुआ है। सैटेलाइट इमेज के जरिए यह चिह्नित किया गया कि जहां पहले खाली जमीन थी, वहां अब प्लाटिंग, कॉलोनी, सडक या व्यावसायिक निर्माण तो नहीं हो गया। जिन स्थानों पर तेजी से विकास हुआ है। डायवर्सन के डेटा का किया गया व्यापक विश्लेषण नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से कृषि भूमि के आवासीय और व्यावसायिक उपयोग में हुए डायवर्सन का डेटा लिया गया है। जिन क्षेत्रों में कृषि भूमि का स्वरूप बदल चुका है और विकास कार्य शुरू हो गए हैं, वहां अब कृषि दरों के बजाय प्लाट के अनुरूप दरें तय की जाएंगी। कृषि विभाग से भी भूमि उपयोग से जुड़ी जानकारी लेकर क्रास वेरिफिकेशन किया गया है। इससे जमीन की दरें वास्तविक बाजार मूल्य के ज्यादा करीब तय करने का दावा किया जा रहा है। भोपाल सहित प्रदेशभर में प्राइम लोकेशन पर बढ़ोत्तरी अधिकारियों के अनुसार भोपाल की करीब 500 लोकेशन सहित प्रदेश के कई प्रमुख शहरों और ग्रामीण-शहरी सीमावर्ती इलाकों में दरों में बढ़ोतरी संभावित है। खासतौर पर उन क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है, जहां बाजार में प्रापर्टी का वास्तविक सौदा गाइडलाइन से अधिक कीमत पर हो रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 55 जिलों के 60 हजार स्थानों पर औसतन 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई थी। तकनीकी सर्वे में यह सामने आया था कि कई क्षेत्रों में सुविधाओं और निर्माण गतिविधियों के कारण जमीन का बाजार भाव पहले से कहीं अधिक हो चुका है।

जनगणना में जानकारी देने से किया इंकार तो होगी कार्रवाई

15-16 साल बाद जनगणना का पहला चरण 1 मई से 30 मई तक होगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2011 के बाद 1 मई से जनगणना का काम शुरू होने जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब पूरी जनगणना डिजीटल माध्यम से की जाएगी। आम व्यक्ति मोबइल एप पर खुद भी जनगणना से जुड़ी पूरी जानकारी दे सकता है। जनगणना के दौरान हर व्यक्ति को जनगणना से जुड़ी जानकारी देना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 15-16 साल बाद होने जा रही जनगणना में इस बार डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जाएगा। जनगणना के दौरान सरकारी कर्मचारी प्रगणक मोबाइल एप का उपयोग कर जनगणना करेंगे। जनगणना के लिए कुछ विशेष डिजिटल टूल तैयार किए गए हैं, इसमें ही प्रगणक घर-घर जाकर लोगों के परिवार और उनसे जुड़ी जानकारी जुटाएंगे। डेटा को एप के माध्यम से रियल टाइम पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। 15 अप्रैल से भर सकेंगे ऑनलाइन जानकारी इस बार जनगणना में आम नागरिक एप के माध्यम से जनगणना से जुड़ी तमाम जानकारी खुद ही भर सकेंगे। यह बेहद आसान होगा, इसमें एक पेज खुलेगा, जिसमें एक-एक कर पूरी जानकारी भरनी होगी और यह जानकारी अपलोड हो जाएगी। हालांकि, इसके बाद भी प्रगणक घर पहुंचेंगे और जानकारी भरे जाने की पुष्टि करेंगे। इससे प्रगणक का समय बचेगा और लोगों की सहभागिता भी इसमें होगी। जनगणना का पहला चरण 1 मई से 30 मई तक होगा, लेकिन लोगों द्वारा 15 अप्रैल से 30 अप्रेल तक अपना डाटा खुद भरा जा सकेगा। कई बार डेटा भरने में गलती हो जाती है। इसलिए प्रगणक खुद पहुंचकर चैक करेंगे। जनगणना में जानकारी देना और सही जानकारी देना अनिवार्य है। जानकारी देने से रोका तो कार्रवाई होगी।

राजस्थान और उड़ीसा अपनाएंगे ऑनलाइन औचक निरीक्षण व्यवस्था

मप्र में सडकों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू किया गया फामूर्ला हुआ हिट

भोपाल। मध्य प्रदेश में सडकों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू की गई ऑनलाइन औचक निरीक्षण का फॉमूर्ला हिट हो गया है। मध्य प्रदेश के निरीक्षण का यह फॉमूर्ला अब दो अन्य राज्यों को भी पंसद आया है। राजस्थान और उड़ीसा भी अब एमपी के इस नवाचार को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों ही राज्यों ने मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग से ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की जानकारी मांगी है। मध्य प्रदेश में निरीक्षण के ऑनलाइन तरीकों से सडकों की गुणवत्ता में सुधार आया है, हालांकि विभाग को कई बार निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है। प्रदेश में सडकों के निर्माण में उसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। थोड़े से पानी में सडकें उखड ? लगती हैं। कई बार निर्माण के दौरान ही घटिया गुणवत्ता को लेकर लोगों की नाराजगी सोशल मीडिया पर दिखाई देती है। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह कहते हैं कि निरीक्षण की व्यवस्था को पुख्ता करने और सही मायने में निरीक्षण करने के लिए विभाग में ऑनलाइन औचक निरीक्षण की व्यवस्था शुरू की गई थी। औचक निरीक्षण महीने में दो दिन 5 और 20 तारीख को किया जाता है। इसमें चीफ इंजीनियर से लेकर पूरा इंजीनियर विभाग औचक निरीक्षण करता है। औचक निरीक्षण में एक दिन पहले तक किसी को पता नहीं होता कि किस अधिकारी को कहां निरीक्षण के लिए जाना है ? विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है। इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से उन्हें 24 घंटे पहले जानकारी मिलती है कि निरीक्षण किस जिले में करना है।

एक साल में 80 इंजीनियरों को नोटिस

निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर पिछले एक साल में 80 इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और 7 को सस्पेंड किया गया। लगातार कार्रवाई के चलते विभाग को निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा। विभाग में इंजीनियरों की कमी का हवाला देकर कार्रवाई पर सवाल उठाए गए। हालांकि अभी गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों पर ही कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया गया है। पिछले दो सालों के दौरान 52 ठेकेदारों को नोटिस दिया गया है जबकि 15 को ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है।

दो राज्यों ने मांगी निरीक्षण की जानकारी

औचक निरीक्षण की ऑनलाइन व्यवस्था के अब दो राज्य राजस्थान और उड़ीसा भी मुरीद हो गए हैं। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के मुताबिक दोनों राज्यों ने ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की पूरी जानकारी मांगी है। ये दोनों राज्य भी मध्य प्रदेश के नवाचार को अपनाने जा रहे हैं। उधर अब राज्य सरकार सडक ठेकेदारों द्वारा बनाए गए लोक कल्याण सरोवर का औचक निरीक्षण भी शुरू करने जा रही है। इसमें विभाग के अधिकारी कहीं भी निरीक्षण कर सकते हैं।

7000 करोड़ खर्च लेकिन नहीं बन पाई स्मार्ट सिटी

केंद्र और राज्य का बजट खत्म, भोपाल सहित 7 जिलों में परियोजनाओं का काम अधूरा

भोपाल। मध्य प्रदेश में 7 हजार करोड़ खर्च होने के बाद भी स्मार्ट सिटी तैयार नहीं हो पाई है। इस परियोजना के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ने ही पर्याप्त बजट दिया, लेकिन इसके बाद भी भोपाल सहित सात जिलों में परियोजनाओं का काम अधूरा पड़ा हुआ है। खास तौर पर भोपाल में स्मार्ट सिटी का काम कई चरण में पूरा नहीं हो पाया है, जबकि राज्य सरकार ने स्मार्ट सिटी के लिए काफी ज्यादा बजट भी खर्च किया था। केंद्र सरकार से भी जमकर फंड आया फिर भी योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। स्मार्ट सिटी योजना के तहत भोपाल में कई इलाकों में काम चल रहा है। इसके अलावा स्मार्ट सिटी में कॉलोनी दुकान और मल्टीलेयर के साथ मल्टीपरपज एरिया डेवलप नहीं हो पाया है। उसके पीछे की वजह है कि केंद्र की तरफ से पैसा जरूर आया लेकिन राज्य सरकार अपने हिस्से का फंड समय पर नहीं दे पाई। बाद में टेंडर जारी हुए काम आधा अधूरा हुआ लेकिन पेमेंट पूरा हो गया। 11 साल पूरे होने के बाद भी भोपाल सहित जिन जिलों में स्मार्ट सिटी का काम शुरू हुआ था वहां पर धरातल पर कोई विशेष और सफलता पूर्ण परियोजना पूरी नहीं हुई है। साल 2015 में मध्य प्रदेश के सात शहरों को शामिल किया गया था, जिसमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना और उज्जैन को आधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यावरण के साथ-साथ बेहतर जीवन के लिए चुना गया था। भोपाल की हरियाली खत्म, प्रोजेक्ट अधूरे भोपाल में साल 2015 में भोपाल की टीटीनगर एरिया को चुना गया था। यहां पर सरकारी आवास हटाकर हरियाली को नष्ट किया गया। इसके बाद यहां पर स्मार्ट सिटी का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। साउथ टीटी नगर में 333 एकड़ जमीन पर पीपीपी मोड पर विकास करने का दावा हुआ था। अब स्थिति यह बनी की जमीन बेचकर 6644 करोड़ की आमदनी होगी। डेवलपमेंट कॉस्ट 344 करोड़ आएगा, लेकिन हकीकत यह है कि पूरा स्मार्ट सिटी का एरिया उजड़ा और वीराना पड़ा हुआ है और यहां पर दुकान भी बंद पड़ी हुई है।

शहडोल घटना की एसआईटी गठित करके जांच कराई जाए

वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की मांग

भोपाल। शहडोल दक्षिण वन मंडल के डीएफओ, रेंजर एवं वनकर्मचारियों पर 12 फरवरी को वन भूमि पर कोल खनन करने वाले माफिया ने प्राण घातक हमला किया है। हमले में वन कर्मचारी एवं अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। लेकिन पुलिस ने अभी तक मात्र 40 में से तीन आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण प्रकरण दर्ज किया गया है। वन कर्मचारी मंच मांग करता है कि कोल खनन माफिया पर गंभीर अपराध दर्ज कर रासुका लगाई जाए तथा तत्काल गिरफ्तार किया जाए। इस मामले की एसआईटी गठित करके उच्च स्त्ररीय जांच कराई जाए। मप्र वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है वन कर्मचारी मंच ने सरकार को अवगत कराया है कि शहडोल जिले की घटना बेहद संवेदनशील है। कोयला माफिया एवं पुलिस की मिलीभगत के कारण पहले भी कई बार वन कर्मचारी एवं अधिकारियों पर प्राण घातक हमले हो चुके हैं, लेकिन सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। यदि सरकार ने एसआईटी गठित करके उच्च स्तरीय जांच करने एवं आरोपियों पर रासुका लगाने की कार्रवाई नहीं की तो मप्र वन कर्मचारी मंच आंदोलन करेगा।

बिजली चोरों की वजह से बढ़ेगा ईमानदार उपभोक्ताओं का बिल

घाटा वसूलने की तैयारी में बिजली कंपनियां, बिजली कंपनियों को एक साल में 913 करोड़ का नुकसान संभव

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिजली चोरों का हजार्ना ईमानदार उपभोक्ताओं को चुकाना पड़ रहा है। चार संभाग के 22 जिलों में बिजली आपूर्ति करने वाली पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी 100 यूनिट बिजली बेचकर महज 73 यूनिट बिजली का बिल जारी कर पा रही है। 27 रुपये का अतिरिक्त नुकसान कंपनी के खाते में जुड़ रहा है। इस तरह से एक वित्तीय वर्ष में करीब 913 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। विद्युत वितरण कंपनी इस नुकसान को ईमानदार उपभोक्ता के बिजली बिल बढ़ाकर वसूलना चाह रही है।

यह राजफाश केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की वर्ष 2024-25 की वार्षिक परफारमेंस रिपोर्ट में हुआ है। देश में कुल 54 विद्युत वितरण कंपनियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की ओवरआल परफारमेंस रैंक 43 और बिलिंग एफिसियंसी 73.34 प्रतिशत है। इसके अलावा कंपनी बनने से अभी लगभग 20 साल का संचयी घाटा 27992 करोड़ है। तीनों कंपनियों का घाटा 71394 करोड़ रुपये जबकि मध्य क्षेत्र कंपनी का पिछले साल का घाटा 1769 करोड़ और 30900 संचयी घाटा है। वहीं पश्चिम क्षेत्र को 130 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। इसका संचयी घाटा 12503 करोड़ है। तीनों वितरण कंपनियों का घाटा 71394 करोड़ रुपये है। जबकि, देश की सभी विद्युत वितरण कंपनियों का घाटा 6.5 लाख करोड़ है। देश की बिजली वितरण कंपनियों ने भले ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में पहली बार मुनाफा कमाया हो, लेकिन मध्य प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियां अब भी कर्ज के बोझ में दबी हुई हैं। मध्य प्रदेश की डिस्काम पर 31 मार्च 2025 तक 49,239 करोड़ रुपए का कर्ज है, जबकि राज्य में 71,394 करोड़ रुपए का संचयी घाटा दर्ज किया गया है।

नुकसान कम करने का प्रयास

बिजली मामलों के जानकार और सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य अभियंता एडवोकट राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि बिजली कंपनियां हानि रोकने में नाकाम हैं और अपनी नाकामी का ठीकरा आम उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। बिजली की दर बढ़ाने के लिए बिजली कंपनियों ने जो घाटा बताया है वह इन्हीं सब वजह से हुआ है। उन्होंने मप्र विद्युत नियामक आयोग को आपत्ति भेजकर इस नुकसान को अस्वीकार्य करने की मांग की है। बता दें कि बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय हालत सुधारने के लिए संशोधित वितरण क्षेत्र योजना आरडीएसएस योजना लागू की गई है, जिसमें फंडिंग को राज्यों के प्रदर्शन से जोड़ा गया है।

डीए, वेतनमान और कैशलेस इलाज पर टिकी निगाहें

मप्र के बजट से कर्मचारियों को बड़ी उम्मीदें...दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार 18 फरवरी को विधानसभा में अपना पहला पेपरलेस बजट पेश करेगी। जानकारी के अनुसार इस वर्ष का बजट आकार में पिछले साल से बड़ा हो सकता है। बजट से पहले कर्मचारी संगठनों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार से स्पष्ट प्रावधान करने की मांग की है। मध्य प्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार के बराबर 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता राज्य कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। यह राशि लंबे समय से लंबित है और बजट में इसका प्रावधान होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ अब तक नहीं मिला है, जबकि इसकी चर्चा पहले भी हो चुकी है।

उन्होंने मांग की है कि दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किया जाए और अंशकालिक कर्मचारियों को कलेक्टर दर से वेतन दिया जाए। अशोक पांडे ने यह भी कहा कि केंद्र में आठवें वेतन आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और समिति भी बन चुकी है। राज्य सरकार ने भी समिति बनाने की बात कही थी, लेकिन अब तक उस पर कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों की मांग है कि बजट में आठवें वेतन आयोग से संबंधित स्पष्ट प्रावधान किया जाए। उन्होंने दो प्रकार के कर लगाए जाने पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि एक कर राज्य स्तर पर और दूसरा केंद्र स्तर पर लिया जा रहा है, जबकि कर व्यवस्था सरल होनी चाहिए। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए घोषित कैशलेस चिकित्सा सुविधा अभी तक लागू नहीं हुई है। बजट में इसके लिए धनराशि निर्धारित कर इसे लागू किया जाए।

मंत्रालय कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतन की उम्मीद

मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कहा कि मंत्रालय कर्मचारियों को अब तक चौथा समयमान नहीं मिला है, जबकि अन्य विभागों में यह लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग दोहराई। सुधीर नायक ने कहा कि अनाज अग्रिम और त्योहार अग्रिम की राशि पिछले 10 वर्षों से 4 हजार रुपए ही है, जबकि महंगाई काफी बढ़ चुकी है। इसे बढ़ाकर कम से कम 10 हजार रुपए किया जाए। कई घोषणाएं अधूरी उन्होंने यह भी मांग की कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से व्यवसायिक कर नहीं लिया जाना चाहिए। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि पिछले बजट में कई घोषणाएं की गई थीं, लेकिन वे अभी तक लागू नहीं हो सकी हैं। ऐसे में 18 फरवरी को पेश होने वाला पेपरलेस बजट कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब निगाह इस बात पर है कि सरकार लंबित मांगों पर ठोस निर्णय लेती है या नहीं। वेतन विसंगति दूर करने मिले विशेष पैकेज समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा कि आगामी बजट में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए विशेष पैकेज का प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि उनकी वेतन विसंगतियां दूर हो सकें। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारी नियमित कर्मचारियों के समान कार्य कर रहे हैं, लेकिन वेतन और सुविधाओं में अंतर बना हुआ है, जिसे समाप्त करना आवश्यक है। कौरव ने मांग की कि चिकित्सकों की तरह नर्सिंग ऑफिसरों को भी रात्रिकालीन ड्यूटी के लिए भत्ता दिया जाए और इसके लिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसरों को तीसरी और चौथी वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाना चाहिए, ताकि वेतन संबंधी असमानता समाप्त हो सके।